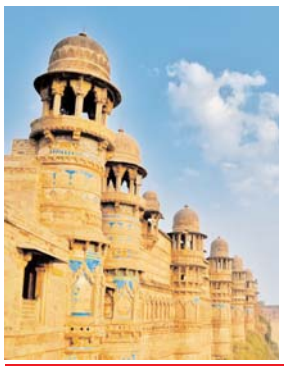

दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 4 : अंकः14 | ग्वालियर, 22 नवम्बर बुधवार 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

न्यूज ट्रैक

सीएम केसीआर ने बताया तेलंगाना में कांग्रेस जीतेगी कितनी सीटें, किया ये बड़ा दावा

तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने कांग्रेस पर मंगलवार (21 नवंबर) को हमला करते हुए कहा कि ये 20 सीटें भी नहीं जीतेगी. इस दौरान उन्होंने दावा किया कि भारत राष्ट्र समिति) को बहुमत मिलेगा.

तेलंगाना के माधिरा में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए राव ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस) में एक दर्जन से अधिक मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार हैं. उन्होंने कहा, कांग्रेस जीतने नहीं जा रहे हैं. मैं आपसे दावे के साथ कह रहा हूं. कांग्रेस के लिए, वही 20 सीट, बल्कि 20 से भी कम सीट.उन्होंने आगे कहा, मैं चुनाव अभियान के तहत 70 वें निर्वाचन क्षेत्र मधिरा के दौरे पर आया हूं. अब केवल 30 बचे हैं. अगर मैं बाकी के सभी 30 निर्वाचन क्षेत्रों में जाऊंगा तो कांग्रेस और हार जाएगी. जैसे-जैसे मैं दौरा (चुनाव अभियान के तहत)कर रहा हूं, कांग्रेस हार रही है.''

क्या आरोप लगाया–केसीआर ने आरोप लगाया कि साल 2014 में तेलंगाना राज्य के गठन के पहले अविभाजित आंध्र प्रदेश में शासन करने वाली कांग्रेस पार्टी पीने और सिंचाई के लिए पर्याप्त जल तक की आपूर्ति सुनिश्चित नहीं कर सकती. उन्होने विश्वास जताया कि जबरदस्त बहुमत के साथ प्रदेश में बीआरएस की सरकार बनेगी. इसमें किसी प्रकार की कोई शंका नहीं है.

केसीआर ने क्या कहा–केसीआर ने कहा कि कांग्रेस नेता 'इंदिरम्मा राज्यम' (पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का कल्याणकारी शासन) का वादा करते हैं, लेकिन उस अवधि को आपतकाल के रूप में चिह्नित किया गया है और बड़ी संख्या में दलितों की दशा अब भी वैसी ही है. उन्होंने पूछा कि यदि आजादी के तुरंत बाद बीआरएस सरकार की दलित बंधु जैसी कल्याणकारी योजना लागू की गई होती तो क्या दलित गरीब बने रहते. बता दें कि तेलंगाना की 119 सीटों के लिए 30 नवंबर को विधानसभा चुनाव होंगे. इसका परिणाम 3 दिसंबर को आएगा.

मैं मुख्यमंत्री के आने से नहीं डरता, ठाणे पहुंचे जरांगे पाटिल की महाराष्ट्र सरकार को चेतावनी

मराठा आरक्षण की मांग को लेकर भूख हड़ताल और धरना प्रदर्शन कर चुके जरांगे पाटिल अब मराठाओं के स्टार नेता बन चुके हैं. उन्होंने भले ही महाराष्ट्र सरकार के आश्वासन पर अपनी भूख हड़ताल दिसंबर तक रोक दी है, लेकिन वह पूरे महाराष्ट्र में दौरे कर रहे हैं. इस दौरान पाटिल मराठाओं को एकजुट करने और आरक्षण लेने के लिए शहर- शहर सभाएं कर रहे हैं.इस बीच वह मंगलवार (21 नवंबर) को मुंबई से सटे और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के शहर ठाणे पहुंचे. यहां भी उन्होंने एक जनसभा को संबोधित किया. पाटिल ने अपने भाषण में कहा, ÷मैं मुख्यमंत्री के शहर आने से नहीं डरता. भले ही मुझे रोकने की कोशिश की जाए.÷

आरक्षण समय पर मिलना चाहिए–भाषण के दौरान मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की तारीफ करते हुए पाटिल ने कहा कि उनमें निर्णय लेने की क्षमता है. अगर वे आरक्षण देंगे तो हम उन्हें सिर पर बैठाकर रखेंगे, लेकिन आरक्षण समय पर मिलना चाहिए. उन्होंने आगे चेतावनी देते हुए कहा कि अगर महाराष्ट्र सरकार 24 दिसंबर तक मराठा आरक्षण के मुद्दे पर निर्णय नहीं लेती है तो इसके बाद बैठक कर आंदोलन का निर्णय लिया जाएगा.जरांगे पाटिल ने मराठा कुनबी आरक्षण के मुद्दे को लेकर अपने खिलाफ बोलने वाले नेताओं और ओबीसी आरक्षण की तरफदारी करने वालों पर कटाक्ष किया और कहा कि एक मंत्री आए और बोले कुनबी सर्टिफिकेट नहीं दिया जा सकता. मैंने उनसे कहा कि आपकी जाति ओबीसी में कैसे चली गई, चली गई और कभी वापस नहीं आई.

मैं कोई गलती नहीं कर रहा–उल्लेखनीय है कि जरांगे अपनी सभाओं में मराठाओं को एकजुट करने की कोशिश कर रहे हैं और सबको आरक्षण के खिलाफ बोलने की सलाह दे रहे हैं. उनका कहना है, मैं कोई गलती नहीं कर रहा हूं. मैं अपना सब कुछ दांव पर लगा कर मराठा आरक्षण के लिए लड़ रहा हूं और अब मुझे महाराष्ट्र के सभी मराठाओं का साथ चाहिए.

स्कूली किताबों में शामिल की जाएगी महाभारत और रामायण, एनसीईआरटी पैनल ने की सिफारिश

सोशल साइंस के स्कूली पाठ्यक्रम को संशोधित करने के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद ने एक उच्च स्तरीय समिति गठित की थी. समिति ने टेक्स्ट बुक में रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्यों को शामिल करने और स्कूल में क्लासों की दीवारों पर संविधान की प्रस्तावना लिखने की सिफारिश की है. इस बात की जानकारी समिति के अध्यक्ष सीआई इस्साक ने मंगलवार (21 नवंबर) को दी.इस्साक ने जोर देते हुए कहा कि कक्षा 7 से 12 तक के छात्रों को रामायण और महाभारत पढ़ाना महत्वपूर्ण है. उन्होंने कहा, ÷समिति ने छात्रों को सामाजिक विज्ञान सिलेबस में रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्यों को पढ़ाने पर जोर दिया है. हमारा मानना है कि किशोरावस्था में छात्र को अपने राष्ट्र के लिए आत्म-सम्मान, देशभक्ति और गौरव का एहसास होता है.÷

छात्रों में देश भक्ति की कम–इस्साक ने कहा कि देशभक्ति की कमी के कारण हर साल हजारों छात्र देश छोड़कर दूसरे देशों में नागरिकता ले लेते हैं. इसलिए उनके लिए अपनी जड़ों को समझना, अपने देश और अपनी संस्कृति के प्रति प्रेम विकसित करना महत्वपूर्ण है.उन्होंने कहा कि कुछ शिक्षा बोर्ड वर्तमान में छात्रों को रामायण पढ़ाते हैं, लेकिन वे इसे एक मिथक के रूप में पढ़ाते हैं.

पीएम मोदी की पनौती से तुलना करना राहुल गांधी को पड़ सकता है भारी, उठी एफ आई आर दर्ज करने की मांग

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में मंगलवार (21 नवंबर) को एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है. कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ दिल्ली पुलिस से एफआईआर दर्ज करने की वकील विनीत जिंदल ने की है.उन्होंने दिल्ली पुलिस में फिलहाल शिकायत दर्ज करा दी है. इस पर एफआईआर दर्ज करने का फैसला दिल्ली पुलिस लेगी. गौरतलब है कि राहुल गांधी ने मंगलवार (21 नवंबर) को राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए जालौर में एक रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी को पनौती कहा था.

क्या बोले राहुल गांधी–जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा था, ÷पीएम मोदी क्रिकेट मैच में चले जाएंगे,

वह अलग बात ही की मैच हरवा दें, पनौती! पीएम मतलब पनौती मोदी.÷ उन्होंने कहा कि हमारे लड़के वर्ल्डकप जीत जाते. मगर पनौती ने उन्हें मैच हरवा दिया.

बीजेपी ने की बयान की आलोचना–इससे पहले कांग्रेस सांसद के इस बयान पर बीजेपी ने कड़ी आपत्ति जताई थी और उनसे माफीं मांगने को कहा था. बीजेपी नेता रविशंकर प्रसाद ने पीएम मोदी पर की गई राहुल गांधी टिप्पणी को अशोभनीय बताया और कहा कि कांग्रेस नेता को इस पर पीएम मोदी से माफी मांगनी होगी.

क्या है मामला–बता दें कि पीएम मोदी रविवार (19 नवंबर) को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले गए विश्व कप 2023 के फाइनल को देखने के लिए अहमदाबाद के नरेंद्र स्टेडियम में मैच देखने पहुंचे थे. विश्व कप मैच अजेय रही में भारत को फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने 6 विकेट से हराया दिया.

जहां एक ओर मैच में भारतीय बल्लेबाज बड़ा स्कोर बनाने में विफल रही. वहीं दूसरी ओर टीम इंडिया के गेंदबाज भी कोई कमाल नहीं कर सके. इसी को मुद्दा बनाकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पीएम नरेंद्र मोदी की तुलना पनौती से कर डाली.

भारत हुआ और मजबूत, स्वदेशी नेवल एंटी शिप मिसाइल का नौसेना ने किया सफल परीक्षण

आईएएनएस ने रक्षा सूत्रों हवाले से बताया कि फायर की गई मिसाइल ने अपने टारगेट को बिल्कुल सटीक हिट किया. विशेषज्ञों का कहना है कि परीक्षण के दौरान मिसाइल में स्वदेशी सीकर और गाइडेंट टेक्नोलॉजी% की जांच की गई जो 100 फीसदी सफल रही है. यह एक लॉन्ग रेंज एंटी-शिप मिसाइल है.

शॉर्ट रेंज की मिसाइल की थी टेस्टिंग–बीते वर्ष भारत ने इसी श्रेणी की शॉर्ट रेंज की मिसाइल की टेस्टिंग की थी. शॉर्ट रेंज की मिसाइल 380 किलोग्राम और रेंज 55 किलोमीटर की मारक क्षमता से लैस है. प्राप्त जानकारी के अनुसार, स्वदेशी तकनीक से बनाई गई यह भारतीय लॉन्ग रेंज एंटी-शिप मिसाइल सी-

स्किमिंग ट्रैजेक्ट्री पर चलते हुए सीधे टारगेट से जाकर टकराई. गौरतलब है कि सी-स्किमिंग उस स्थिति को कहते हैं जब मिसाइल समुद्र की सतह से कुछ मीटर ऊपर तेजी से उड़ते हुए जाती है. अपनी इस तकनीक के कारण मिसाइल राडार में पकड़ में भी नहीं आती. फिलहाल यह तकनीक भारत के पास पहले से उपलब्ध है. भारत की ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल में यही तकनीक इस्तेमाल की जाती है.

विशेषज्ञों ने क्या कहा–रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि टेस्ट की गई यह आधुनिक मिसाइल नौसैनिक हेलिकॉप्टर्स पर लगाई जाएगी. इस मिसाइल में स्टेट-ऑफ-द-आर्ट नेविगेशन सिस्टम भी है. गौरतलब है कि इसी महीने सेना ने पहले स्वदेशी हमलावर हेलीकॉप्टर रुद्र से नई पीढ़ी के रॉकेट भी दागे हैं.

नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी की कार्रवाई पर कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी बोले- यह प्रतिशोध की राजनीति है

कांग्रेस ने मंगलवार (21 नवंबर) को नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग केस की जांच में एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड और यंग इंडियन से संबंधित संपत्तियों को जब्त करने के प्रवर्तन निदेशालय के फैसले पर प्रतिक्रिया दी.इस संबंध में कांग्रेस प्रवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि यह निर्णय 5 राज्यों में चल रहे चुनावों में हार से ध्यान भटकाने के लिए लिया गया है और यह ईडी की हताशा को भी दर्शाता है.उन्होंने कहा, ÷ धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत की जा रही कार्रवाई केवल ध्यान भटाकाने का तरीका है. मामले में किसी भी अचल संपत्ति को ट्रांसफर नहीं किया गया है. पैसा भी इधर-उधर नहीं जा रहा है. ÷ कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि ऐसा कोई शिकायतकर्ता नहीं है जो यह दावा करता हो कि उसे धोखा दिया गया है.

बीजेपी हार से नहीं बचा सकता कोई– सिंघवी ने कहा, ÷बीजेपी का कोई भी गठबंधन सहयोगी (सीबीआई, ईडी या आईटी) उसको हारने से नहीं बचा सकता. भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की आवाज उठाने वाली कंपनी की संपत्तियों की कुर्की और जब्ती को उचित ठहराने के लिए किसी भी अचल संपत्ति के हस्तांतरण के लिए असाइनमेंट तैयार किया जा रहा है. वह भी सिर्फ इसलिए क्योंकि उसका ताल्लुक कांग्रेस से है.÷

म्यांमार की यात्रा करने से बचें, हिंसा के बीच विदेश मंत्रालय ने भारतीय लोगों के लिए जारी की एडवाइजरी

म्यांमार में मिलिशिया समहू पीपुल्स डिफेंस फोर्स (पीडीएफ) और यहां के सैनिकों के बीच हुई मुठभेड़ को देखते हुए भारत सरकार ने भारतीय लोगों के लिए एडवाइजरी जारी की. विदेश मंत्रालय ने मंगलवार (21 नवंबर) को कहा कि लोग म्यांमार की यात्रा करने से बचें. विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा,यांमार में सुरक्षा की स्थिति को देखते हुए सभी भारतीय नागरिकों को यहां की गैर-जरूरी यात्रा से बचने की सलाह दी जाती है. इसके अलावा जो लोग पहले से ही म्यांमार में रह रहे हैं वो हिंसा से प्रभावित क्षेत्रों में नहीं जाए. सड़क मार्ग से अंतरराज्यीय यात्रा से भी बचना चाहिए.मंत्रालय के प्रवक्ता अरंदिम बागची ने बयान सोशल मीडिया एक्स पर शेयर किया. इसमें आगे कहा गया है कि म्यांमार में रह रहे लोगों से अपील की जाती है कि भारतीय दूतावास में फॉर्म भरकर रजिस्टर करें. दरअसल हाल ही में पीडीएफ ने म्यांमार के चिन राज्य में हमला कर दिया था. इसके जवाब में म्यांमार की सेना ने जवाबी कार्रवाई की थी. चिन में हुए हमले के कारण कई सैनिक भारत भी भागकर आ गए थे.

मिजोरम भागकर आए थे म्यांमार के सैनिक–मिजोरम भागकर आए म्यांमार के 29 सैनिकों को रविवार (19 नवंबर) को ही उनके देश वापस भेजा था.

कांग्रेस भ्रष्ट तरीकों का ले रही है सहारा, बीजेपी ने चुनाव आयोग में की शिकायत

बीजेपी मंगलवार (21 नवंबर) को कांग्रेस के खिलाफ चुनाव आयोग पहुंची. बीजेपी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस लोगों को अपने पक्ष में करने के लिए समाचार या राय के रूप में विज्ञापन दे रही है.केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया और पूर्व मंत्री रविशंकर प्रसाद सहित बीजेपी नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने इस मामले को लेकर निर्वाचन आयोग का दरवाजा खटखटाया और शिकायत दर्ज कराई. अपनी शिकायत में बीजेपी ने कांग्रेस पर यह आरोप भी लगाया कि वह लोगों को राज्य में सत्ता में आने पर उसकी गारंटी का

लाभ पाने के लिए मोबाइल नंबर पर मिस्ड कॉल देने के लिए कह रही है, जो कि भ्रष्ट तरीकों का सहारा लेना है. प्रतिनिधिमंडल में बीजेपी नेता अमित मालवीय और ओम पाठक भी शामिल थे।

बीजेपी ने क्या कहा–बीजेपी प्रतिनिधिमंडल ने कहा, "फोन करने वाले के लिए एक पंजीकृत नंबर तैयार किया गया था, जिससे यह धारणा बनी कि किसी खास उम्मीदवार या पार्टी, खासकर कांग्रेस पार्टी को वोट देने से केवल फोन करने वाले को ही फायदा होगा.''शिकायत में कहा गया है कि कांग्रेस ने यह विज्ञापन दिया है, जिसे मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा किया है. मांडविया ने कहा कि इससे यह धारणा बनती है कि केवल उन्हीं लोगों को लाभ मिलेगा, जो खुद को पंजीकृत करेंगे और अन्य को नहीं. उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य मतदाताओं को गुमराह करना है. प्रसाद ने बीजेपी की एक अन्य शिकायत को रेखांकित किया, जिसमें कहा गया है कि कांग्रेस ने राज्य में अपने पक्ष में लहर होने को लेकर कुछ प्रमुख दैनिक समाचार पत्रों में हिंदी में विज्ञापन जारी किए.उन्होंने कहा कि इसे इस तरह से पेश किया गया है, जिससे मतदाताओं के दिमाग में यह धारणा बने कि यह एक सर्वेक्षण के बाद प्रकाशित एक समाचार या राय है.

जब तक वापस नहीं आएंगे लूटे गए 4000 हथियार, जारी रहेगी मणिपुर हिंसा, लेफ्टिनेंट जनरल कलिता ने क्यों कही ये बात?

पूर्वी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल राणा प्रताप कलिता ने मणिपुर में जातीय संघर्ष को राजनीतिक समस्या करार दिया है. उन्होंने मंगलवार (21 नवंबर) को कहा कि जब तक सुरक्षाबलों से लूटे गए लगभग 4,000 हथियार आम लोगों से बरामद नहीं कर लिए जाते, तब तक हिंसा की घटनाएं जारी रहेंगी.कलिता ने गुवाहाटी प्रेस क्लब में संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ÷हमारा प्रयास हिंसा को रोकना और संघर्ष के दोनों पक्षों को राजनीतिक समस्या के शांतिपूर्ण समाधान के लिए प्रेरित करना है. क्योंकि समस्या का राजनीतिक समाधान ही होना है.÷उन्होंने कहा कि जहां तक जमीनी स्थिति का सवाल है, भारतीय सेना का उद्देश्य शुरू में अपने घरों से विस्थापित हुए लोगों के लिए बचाव और राहत अभियान चलाना था. कलिता ने कहा, इसके बाद, हम हिंसा को रोकने की कोशिश कर रहे हैं, जिसमें हम काफी हद तक सफल रहे हैं, लेकिन दो समुदायों-मेइती और कुकी के बीच ध्रुवीकरण के कारण यहां-वहां छिटपुट घटनाएं होती रहती हैं.

1990 के दशक में कुकी और नगाओं के बीच हुआ था संघर्ष–यह पूछे जाने पर कि झड़प शुरू होने के साढ़े छह महीने से अधिक समय के बाद भी मणिपुर में सामान्य स्थिति क्यों नहीं लौटी है, उन्होंने कहा कि राज्य में रहने वाले तीन समुदायों-मेइती, कुकी और नगा के बीच कुछ विरासत संबंधी मुद्दे हैं. लेफ्टिनेंट जनरल ने कहा कि इससे पहले 1990 के दशक में कुकी और नगाओं के बीच संघर्ष हुआ था, जिसमें लगभग 1,000 लोग मारे गए थे.

5,000 से अधिक हथियार लूट–उन्होंने कहा, ÷अब क्या हुआ है कि दो समुदाय पूरी तरह से ध्रुवीकृत हो गए हैं. हालांकि हिंसा का स्तर कम हो गया है. विभिन्न थानों और अन्य स्थानों से 5,000 से अधिक हथियार लूट लिए गए. इनमें से केवल 1,500 हथियार ही बरामद किए गए हैं. इसलिए, लगभग 4,000 हथियार अभी भी बाहर हैं. जब तक ये हथियार लोगों के पास हैं, तब तक इस तरह की छिटपुट **हिंसक गतिविधियां जारी रहेंगी.**–कलिता ने कहा कि भारत-म्यांमार सीमा के माध्यम से मादक पदार्थों के साथ-साथ हथियारों की तस्करी थम गई है. हालांकि, कुछ छिटपुट घटनाएं हो सकती हैं. उन्होंने जोर देकर कहा कि चूंकि 4,000 हथियार पहले से ही खुले में हैं, मुझे लगता है कि बाहर से हथियार लाने की कोई आवश्यकता नहीं है.गौरतलब है कि मणिपुर में 3 मई को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मेइती समुदाय की मांग के विरोध में पर्वतीय जिलों में %आदिवासी एकजुटता मार्च% आयोजित होने के बाद शुरू हुई जातीय झड़पों में 180 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं

मतगणना कार्य के सुचारु संचालन के लिये अधिकारियों को सौंपे गये दायित्व

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना विधानसभा निर्वाचन 2023 में सतना और मैहर जिले की सातों विधानसभा क्षेत्रों के लिये संपन्न हुये मतदान की गणना का कार्य शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यंकट क्रमांक-1 सतना के नवीन भवन के विभिन्न कक्षों में किया जायेगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अनुराग वर्मा ने मतगणना कार्य के सुचारु संचालन और संपादन के लिये विभिन्न प्रकोष्ठ का गठन कर नोडल अधिकारियों की नियुक्ति कर दी है। नियुक्त नोडल अधिकारी आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरुप मतगणना कार्य संपन्न कराना सुनिश्चित करेंगे। कलेक्टर श्री वर्मा द्वारा मतगणना कार्य में नोडल अधिकारियों की सहायता के लिये सहायक नोडल अधिकारियों सहित सहयोगी अधिकारियों-कर्मचारियों की भी ड्यूटी लगाई गई है। कलेक्टर द्वारा जारी आदेशानुसार मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ परीक्षित राव झाड़े को मतगणना कार्य के लिये मतगणना सुपरवाइजर, सहायक एवं अन्य अधिकारियों की नियुक्ति सहित माइक्रो आब्जर्वर्स, अधिकारियों-कर्मचारियों का चयन और प्रशिक्षण, परिचय पत्र जारी करने एवं ईटीपीबीएस प्रकोष्ठ का दायित्व सौंपा गया है। इसी प्रकार विधानसभावार स्थापित स्ट्रांग रुम से ईवीएम को आरओ द्वारा तैनात कर्मचारियों तक पहुंचाने की जिम्मेवारी जिला कोषालय अधिकारी तोकानंद तेकाम को तथा डाक मतपत्रों को जिला कोषालय सतना के स्ट्रांग रुम से मतगणना स्थल पर सुरक्षित भेजने की जिम्मेवारी आयुक्त नगर निगम अभिषेक गहलोत को सौंपी गई है। कलेक्टर श्री वर्मा द्वारा चुनाव सामग्री प्रकोष्ठ में मतगणना के लिये आवश्यक सामग्री का आंकलन, व्यवस्था, गणना स्थल पर टेबलवार लगवाना, प्रशिक्षण स्थल पर मतगणना सामग्री की व्यवस्था करने का दायित्व अपर कलेक्टर ऋषि पवार और डिप्टी कलेक्टर गोविंद सोनी को, आईटी/कम्प्यूटराइजेशन प्रकोष्ठ में मतगणना दलों का रेण्डमाइजेशन, आदेश की प्रिंट कॉपी मतगणना दलों को उपलब्ध कराने का दायित्व एनआईसी अधिकारी परमीत कौर को, मतों के सारणीकरण प्रकोष्ठ में मतगणना परिणाम (केंद्रवार और राउंडवार) तैयार कर एवं समस्त प्रारुप तैयार कर आयोग को भेजने सहित इनकोर पोर्टल पर फीडिंग का दायित्व अपर कलेक्टर ऋषि पवार, जिला योजना एवं सांख्यिकी अधिकारी आरके कछवाह एवं एनआईसी अधिकारी परमीत कौर को दिया गया है। मतगणना दिवस पर मतगणना स्थल की सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेवारी एएसपी शिवेश सिंह बघेल को, मतगणना स्थल और कक्षों में बैरीकेटिंग, पंडाल, टेबल, कुर्सी, लाइटिंग, फ्लेक्स, बैनर, नेटवर्किंग व्यवस्था की जिम्मेवारी आयुक्त नगर निगम अभिषेक गहलोत, समस्त अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग और विद्युत वितरण कंपनी को सौंपी गई है। इसी प्रकार सीलिंग प्रकोष्ठ की जिम्मेवारी कार्यपालन यंत्री आरईएस, समस्त अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) तथा मतगणना एजेण्टों को संबंधित विधानसभा के मतगणना कक्षों तक पहुंचाने की जिम्मेवारी परियोजना अधिकारी गौरव शर्मा को सौंपी गई है। जबकि मीडिया प्रकोष्ठ का दायित्व जनसंपर्क अधिकारी राजेश सिंह को दिया गया है। कलेक्टर श्री वर्मा के आदेशानुसार मतगणना स्थल पर विद्युत आपूर्ति व्यवस्था का कार्य अधीक्षण यंत्री विद्युत कंपनी सतना, चिकित्सा व्यवस्था मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सतना, विधानसभावार एवं चक्रवार मतों के प्रदर्शन का कार्य परियोजना अधिकारी गौरव शर्मा, स्वल्पाहार उपलब्ध कराने का कार्य जिला कार्यक्रम अधिकारी सौरभ सिंह एवं वीडियोग्राफी व्यवस्था का कार्य डिप्टी कलेक्टर गोविंद सोनी देंखेगे। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अनुराग वर्मा ने समस्त प्रकोष्ठों के नोडल अधिकारियों, सहायक नोडल अधिकारियों एवं सहयोगी अधिकारियों-कर्मचारियों को परिचय पत्र प्राप्त करने आवश्यक दस्तावेज मतगणना दिवस के पूर्व संयुक्त कलेक्ट्रेट भवन सतना के कक्ष क्रमांक एफ-24 में जमा करने के निर्देश दिये हैं।

कलेक्टर ने मतगणना स्थल का किया निरीक्षण

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना विधानसभा निर्वाचन 2023 में मतदान के लिये उपयोग की गई पोल्ड ईवीएम को जिला मुख्यालय में शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यंकट क्रमांक-1 सतना में कड़ी सुरक्षा के साथ चौबीसों घंटे की निगरानी में विधानसभावार बने स्ट्रांग रुम में रखा गया है। मंगलवार को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अनुराग वर्मा ने स्ट्रांग रुम स्थल पहुंचकर निगरानी एवं सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया तथा मतगणना स्थल पर की जाने वाली व्यवस्थाओं के संबंध में अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिये। इसके मौके पर सीईओ जिला पंचायत डॉ परीक्षित झाड़े, आयुक्त नगर निगम अभिषेक गहलोत, उप जिला निर्वाचन अधिकारी ऋषि पवार, एएसपी शिवेश सिंह बघेल, कार्यपालान यंत्री लोक निर्माण बीआर सिंह, प्राचार्य सुशील श्रीवास्तव सहित सभी

सहायक रिटर्निंग ऑफिसर्स भी उपस्थित थे। भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी भोपाल के निर्देशानुसार विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यंकट क्रमांक-1 सतना में स्थापित ईवीएम/वीवीपैट के अपने-अपने विधानसभावार स्ट्रांग रूम का प्रतिदिन सुबह एवं शाम निरीक्षण किया जा रहा है। इसके अलावा जिला निर्वाचन अधिकारी अनुराग वर्मा एवं पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता द्वारा भी नियमित रुप से स्ट्रांग रुम का निरीक्षण कर निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित चेकलिस्ट के अनुसार सुरक्षा व्यवस्था के बिंदुओं पर रिपोर्ट भारत निर्वाचन आयोग को भेजी जा रही है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अनुराग वर्मा ने स्ट्रांग रुम के निरीक्षण के पश्चात मतगणना स्थल पर की जा रही व्यवस्थाओं का जायजा लिया। सतना और मैहर जिले की सभी सातों विधानसभा क्षेत्र की मतगणना शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यंकट क्रमांक-1 सतना के नवीन भवन में की जायेगी। इनमें भूतल पर दो विधानसभा क्षेत्र, प्रथम तल पर तीन विधानसभा क्षेत्र और द्वितीय तल पर दो विधानसभा क्षेत्र के मतों की गणना की जायेगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतगणना स्थल पर अभ्यर्थी एवं उनके एजेण्ट, मीडिया पर्सन तथा ऑफिशियल एवं काउंटिंग पर्सनल्स के प्रवेश और वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था की जानकारी ली।

कलेक्टर ने मतदान केंद्र क्र.71 किशुपुरा का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को देखा

किशुपुरा मतदान केंद्र पर हुआ पुनर्मतदान,सभी व्यवस्थाएं रहीं चाक चौबंद,577 मतदाताओं ने किया मतदान

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । विधानसभा निर्वाचन-2023 के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजीव श्रीवास्तव ने आज मतदान केंद्र क्रमांक 71 शा.मा. विध्यालय किशुपुरा का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।भिण्ड जिले की अटेर विधान सभा के किशुपुरा मतदान केंद्र 71 पर पुनर्मतदान आज सुबह 7 बजे से शुरू हो गया। रिटर्निंग अधिकारी पराग जैन ने बताया की सुबह 6 बजे मॉक पोल के बाद मतदान शुरू हुआ। सुरक्षा की दृष्टि से 25 पुलिस के जवान और अर्ध सैनिक बल भी तैनात रहे। सभी गतिविधियों की रिकार्डिंग के लिए सीसीटीवी कैमरे और बेब कास्टिंग भी की गई।कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजीव श्रीवास्तव ने मतदान दलों से मतदान प्रतिशत की जानकारी प्राप्त की।कलेक्टर के निर्देशानुसार सभी मतदाताओं के निर्धारित परिचय पत्र को अच्छे से जांच कर ही पुनर्मतदान कराया गया। मतदान समाप्ति तक

47.1 प्रतिशत मतदान हुआ। 577 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव पाठक, रिटर्निंग ऑफिसर अटेर पराग जैन भी उपस्थित थे।

प्रेगनेंसी में कितनी बार अल्ट्रासाउंड करवाना जरूरी होता है और कब करवाना चाहिए...डा.संजय राणा

केशब पंडित जी अम्बाह...

मुरैना... अल्ट्रासाउन्ड बिशेषज्ञ डा. संजय राणा कहते है गर्भावस्था में अल्ट्रासाउंड काफी महत्वपूर्ण होता है. यह गर्भ और गर्भ में पल रहा शिशु के विकास को ट्रैक करने में मदद करता है. आइए जानते है अल्ट्रासाउंड किनती बार और कब करवाना चाहिए..गर्भावस्था एक संवेदनशील अवस्था होती है जिसमें मां और बच्चे का स्वास्थ्य बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है. गर्भावस्था के दौरान अल्ट्रासाउंड टेस्ट मां और बच्चे की स्थिति को ट्रैक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. अल्ट्रासाउंड किरणें शरीर के भीतर भेजकर गर्भाशय और गर्भस्थ शिशु की तस्वीरें लेता है. यह गर्भनाल की स्थिति, गर्भस्थ शिशु का विकास, दिल की धड़कन आदि को देखने में मदद करता है.

3 दिसंबर को होने वाली मतगणना के लिए तैयारियां शुरू

उप निर्वाचन अधिकारी ने एसडीएम और पीडब्ल्यूडी के अधिकारी के साथ किया आईटीआई परिसर का निरीक्षण

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । जिला निर्वाचन अधिकारी संजीव श्रीवास्तव के निर्देश पर भिण्ड जिले में तीन दिसम्बर को होने वाली मतगणना के लिए तैयारी की समीक्षा शुरू कर दी गई है।उप निर्वाचन अधिकारी राजकुमार खत्री ने आज अपने कक्ष में पीडब्ल्यूडी अधिकारियों और संबंधित एसडीएम के साथ तैयारी की समीक्षा की। इसके बाद उप निर्वाचन अधिकारी ,एसडीएम भिण्ड और एसडीएम गोहद के साथ आईटीआई परिसर पहुंचे और मतगणना कक्ष का निरीक्षण किया। इसके संबंध में दिशा निर्देश दिए की मतदाता अभिकर्ताओं को शासकीय कर्मचारियों के लिए आने और जाने की व्यवस्थाएं

अलग की जावें। प्रत्येक मतगणना कक्ष में 14 टेबल लगना है। जिन पर मतगणना का कार्य किया जाएगा।3 दिसम्बर को सुबह प्रेक्षक और प्रत्याशियों की उपस्थिति में स्ट्रॉन्ग रूम खोला जाएगा। मतगणना के दिन सबसे पहले डाक मत पत्र मतों की गिनती शुरू होगी उसके बाद ईवीएम से मतगणना शुरू की जाएगी इस संबंध में सभी तैयारी के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी संजीव श्रीवास्तव द्वारा निर्देश दिए गए हैं कि मतगणना में वरिष्ठ अधिकारियों की ड्यूटी लगाई जावे। मतगणना के लिए प्रशिक्षण विशेष रूप से कराया जाए मतगणना के दिन विधानसभा वार स्ट्रॉन्ग रूम से ईव्हीएम मशीन लाने और ले जाने वालों को अलग-अलग कलर की ड्रेस कोड के लिए भी निर्देशित किया जा रहा है।

डीडीसी सुरेश शर्मा ने बडूई घडगाल सडक पर तारकोल बिछाने के काम शुरू किया गया

दैनिक पुष्पांजली टुडे

जम्मू व कश्मीर जिला जम्मू तहसील अखनूर भाजपा नेता एवं जिला विकास परिषद के सदस्य पंडित सुरेश शर्मा ने घडगाल के लोगों की लंबित मांग को पूरा करते हुए विधानसभा छब्ं के ब्लॉक मैरा मांदरेया की पंचायत कांडी के बडूई-घडगाल सडक मार्ग पर तारकोल बिछाने के काम का शुभारंभ किया। यह सड़क काफी समय से खराब पड़ी थी लोगों को आने-जाने में बहुत कठिनाई होती थी। इसी को मध्यनजर रखते हुए सड़क पर तारकोल बिछाने के काम को शुरू किया गया। सुरेश शर्मा ने आए हुए लोगों को संबोधित करते हुए कहा हर गांव मोहल्ले को पक्की सड़क के साथ जोड़ने का प्रयास जारी है

आगामी दिनों में पंचायत बडूई और कांडी में कई सड़कों पर निर्माण कार्य शुरू किए जाएंगे । सुरेश शर्मा ने कहा केंद्र की मोदी सरकार कई कल्याणकारी योजनाएं इस वक्त पूरे देशभर में चला रही हैं जिसका लाभ जम्मू कश्मीर के लोगों को भी मिल रहा है । उसी के चलते गांवों में भी सड़कों का निर्माण कार्य जारी है। वहां पर उपस्थित गांव वासियों ने सुरेश शर्मा का धन्यवाद किया और सुरेश शर्मा ने कहा आपकी मांगों को मध्यनजर रखकर विकास कार्य किए जा रहे हैं इस मौके पर बीडीसी सुषमा देवी, सरपंच रशपाल शर्मा, नायव सरपंच ओमप्रकाश, पूर्व सरपंच मिल्खी राम, नंबरदार वृंदावन, पंच अजय कुमार, नूर जमाल, राशपाल शर्मा प्रवीण कुमार, सूबेदार रमेश चंद्र युवा नेता अनिल भगत, ओम प्रकाश उप्पल, खेमराज, अलोक नाथ, चमन मल्होत्रा, तरसेम लाल, इंस्पेक्टर देसराज, कमल वर्मा, गिरधारी लाल विभाग के इंजीनियर व गांव के अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे

बैठक में हुई मंदिर निर्माण के लिए विस्तार से चर्चा

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

बेंगलूरू- सीरवी समाज ट्रस्ट सुकंदकट्टे बेंगलोर पश्चिम् बडेर में सोमवार को सुबह सीरवी समाज के धर्मगुरू दीवान साहब का पदार्पण हुआ। दीवान साहब के स्वागत के लिए गेर मंडल ने पारंपरिक वेशभूषा में पैरो में घुंघरू बाधे हुए झंकार उठाते हुए हाथों में छतरियां लेते हुए आईजी के जयकारे लगाते हुए बडेर पहुंचे। मंदिर निर्माण के लिए सभा की शुरुआत

इन्द्रलाल सोलंकी , खेमाराम पंवार की अध्यक्षता में हुई। सभा का शुभारंभ आईमाताजी की आरती दीप प्रज्वलित कर शुरूआत हुई। धर्मगुरू दीवान साहब सभा को संबोधित करते हुए आईमाता मंदिर व भवन निर्माण सहित कई मुद्दो को लेकर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। मंदिर निर्माण के भामाशाहओं ने बढ़चढ़कर धनराशि की घोषणा की गई। दीवान साहब ने कहा कि सभी को अपने इच्छा अनुरूप योगदान देना चाहिए। समाज की ओर से धर्मगुरू दीवान साहब का शाल श्रीफल व पुष्प माला पहनाकर, नजराना के द्वारा स्वागत किया गया। इस अवसर पर संस्था के सरक्षंक इन्द्रलाल सोलंकी, अध्यक्ष रूगाराम चोयल, सचिव हनुमानराम बर्फा, सह-सचिव भंवरलाल गेहलोत, उपाध्यक्ष चौथाराम बर्फा, कोषाध्यक्ष घीसाराम सोलंकी एंव नवयुवक मंडल, महिला मंडल, सेवा संघ गेर मंडल, मंदिर निर्माण समिति एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्य एवं तूमकूर वडेर के ट्रस्टी सदस्य कुशालराम सेपटा, लग्गेरी बडेर के पदाधिकारी मौजूद रहे।

सर्किल जेल शिवपुरी में फर्स्ट् एड तथा सीपीआर का प्रशिक्षण संपन्न

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.पवन जैन के मार्गदर्शन में सर्किल जेल शिवपुरी में आज डॉक्टर आशीष व्यास, जिला कुष्ठ अधिकारी द्वारा समस्त सर्किल जेल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा

बंदियों को फर्स्ट् एड तथा सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिसेसिटेशन) का प्रशिक्षण दिया गया।इस प्रशिक्षण में इस जीवनरक्षक तकनीक का डिमॉन्सट्रेशन कर विस्तार से जानकारी दी। कार्डियक अरेस्ट जैसी अत्यंत गंभीर परिस्थिति में आमजन किस प्रकार से पीड़ित व्यक्ति की जीवनरक्षा कर सकता है, इसके बारे में बताया गया। एक्सीडेंट केसेस, प्वाइजनिंग, अचानक दम घुटना, हार्ट अटैक, बेहोश होने पर तत्काल इमरजेंसी फर्स्ट् एड की भी जानकारी दी गई। डायबिटीज, एलर्जी, बर्न केसेज के मैनेजमेंट सम्बंधी जानकारी स्टेपवाइज प्रदान की गई।

मतगणना स्थल पर मोबाईल का प्रवेश रहेगा प्रतिबंधित

मतगणना कार्य में संलग्न नोडल अधिकारियों की बैठक संपन्न

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना विधानसभा निर्वाचन 2023 में सतना और मैहर जिले की सातों विधानसभा क्षेत्रों के लिये संपन्न हुये मतदान की गणना का कार्य शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यंकट क्रमांक-1 सतना के नवीन भवन के विभिन्न कक्षों में किया जायेगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अनुराग वर्मा ने मतगणना कार्य में संलग्न नोडल अधिकारियों की बैठक लेकर उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इस मौके पर सीईओ जिला पंचायत डॉ परीक्षित झाड़े, आयुक्त नगर निगम अभिषेक गहलोत, उप जिला निर्वाचन अधिकारी ऋषि पवार, एएसपी शिवेश सिंह बघेल, सीएसपी महेंद्र सिंह, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण बीआर सिंह, प्राचार्य सुशील श्रीवास्तव, मास्टर ट्रेनर डॉ बीके गुप्ता सहित सभी सहायक रिटर्निंग ऑफिसर्स भी उपस्थित थे। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अनुराग वर्मा ने विधानसभा निर्वाचन में जिले में शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं विधि-सम्यक मतदान संपन्न कराने में सभी अधिकारियों-कर्मचारियों के सहयोग के लिये धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होने कहा कि पूरे चुनाव की सफलता तभी मानी जाती है, जब मतदान के बाद उसके मतों की गणना भी शांतिपूर्ण, निष्पक्ष, निर्विवाद वातावरण में बिना किसी आक्षेपों के संपन्न हो। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतगणना स्थल पर गणना कक्षों में किसी भी प्रकार का मोबाईल, लैपटॉप एवं इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेस सख्ती से प्रतिबंधित रहेगा। गणना कक्षों में केवल प्रेक्षक के अलावा और किसी को भी मोबाईल साथ में ले जाने की इजाजत नहीं होगी। उन्होने बताया कि मतगणना स्थल पर प्राधिकृत प्रवेश पत्र के बिना किसी भी व्यक्ति को प्रवेश नहीं दिया जायेगा। मतगणना कार्य में लगे गणना सुपरवाइजर, मतगणना सहायक और माइक्रो आब्जर्वर का तीन बार

रेण्डमाइजेशन किया जायेगा। अंतिम रेण्डमाइजेशन मतगणना दिवस 3 दिसंबर को प्रातः 5 बजे प्रेक्षकों की उपस्थिति में किया जायेगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री वर्मा ने बताया कि मतगणना स्थल पर अभ्यर्थी और उनके एजेण्ट तथा मीडिया पर्सन की एंट्री विद्यालय के सामने के मुख्य द्वार से होगी तथा इनके वाहन रेल्वे ग्रांउड में पार्क किये जायेंगे। मतगणना कार्य में संलग्न सभी अधिकारी-कर्मचारी, रिटर्निंग ऑफिसर्स, प्रेक्षक सहित सभी निर्वाचन अमले का प्रवेश विद्यालय के पिछले द्वार से होगा और इनके वाहनों की पार्किंग पीछे के मैदान में रहेगी। बहुउद्देशीय भवन के पास सभी कार्मिकों और अधिकारियों-कर्मचारियों के मोबाईल जमा करने की सुविधा उपलब्ध रहेगी। यहीं पर टेबिल के कार्मिकों की डिकोडिंग चार्ट भी चस्पा किया जायेगा। अभ्यर्थी एवं उनके एजेण्टों के मोबाईल मुख्य प्रवेश द्वार पर ही बाहर रखवा लिये जायेंगे और किसी भी व्यक्ति को बीड़ी, सिगरेट, गुटखा, तंबाकू सहित किसी भी प्रकार के ज्वलनशील पदार्थ को ले जाने की अनुमति नहीं होगी। मतगणना स्थल पर विधिवत जांच और फ्रिस्किंग के बाद ही प्राधिकार पत्र के आधार पर प्रवेश दिया जायेगा। कलेक्ट्रेट के सामने धवारी चौराहे से प्रेमनगर जनता स्कूल तक का रास्ता और ट्रैफिक पूरा बंद रहेगा। गणना स्थल नवीन भवन के सामने पूर्वी छोर पर मीडिया कक्ष बनाया जायेगा और उसके बगल में अभ्यर्थियों के बैठने की व्यवस्था होगी। मास्टर ट्रेनर डॉ बीके गुप्ता ने बताया कि मतगणना के 72 घंटे पहले शिकायत शाखा का फोन नंबर 1950 सक्रिय रहेगा और प्रेक्षकगण मतगणना दिवस से दो दिन पहले मतगणना स्थल का निरीक्षण करेंगे और अपनी रिपोर्ट आयोग को भेजेंगे। इसी प्रकार मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा प्रदेश के 10 मतगणना स्थलों का निरीक्षण कराया जायेगा। उन्होने मतगणना कार्य में संलग्न सभी नोडल अधिकारियों को मतगणना प्रक्रिया और भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

पल्स पोलियो अभियान का अतिरिक्त चरण 10 से 12 दिसम्बर

प्रदेश के 16 जिलों में बच्चों को पिलाई जायेगी पोलियो की खुराक

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना प्रदेश के 16 जिलों में 10 से 12 दिसम्बर, 2023 को पल्स पोलियो अभियान के अतिरिक्त चरण में जीरो से 5 वर्ष आयु के लगभग 37 लाख 50 हजार बच्चों को पल्स पोलियो वैक्सीन की खुराक दी जायेगी। अभियान की तैयारियों के सिलसिले में एनएचएम मुख्यालय में राज्य टास्क फोर्स की बैठक हुई। टास्क फोर्स की बैठक में महिला-बाल विकास, स्कूल शिक्षा, नगरीय प्रशासन, वन, पंचायत, आदिम जाति कल्याण, आयुष, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अधिकारियों और डब्ल्यू.एच.ओ., यूनिसेफ, यूएनडीपी और अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। डायरेक्टर एनएचएम (टीकाकरण) डॉ. संतोष शुक्ला ने टास्क फोर्स समिति के सदस्यों को अभियान में दी गई जिम्मेदारियों से अवगत कराया। विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अभियान के सफल संचालन के लिये सुझाव भी दिये। बैठक में बताया गया कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान में पोलियो के केस मिलने के कारण और साथ ही पोलियो-फ्री स्टेटस को मेंटेन रखने के लिये पल्स पोलियो अभियान का अतिरिक्त चरण किया जा रहा है। प्रदेश के भिण्ड, भोपाल, छिंदवाड़ा, दतिया, ग्वालियर, इंदौर, कटनी, खरगौन, मंदसौर, नरसिंहपुर, नीमच, निवाड़ी, सतना, श्योपुर, टीकमगढ़ और विदिशा जिलों में अभियान संचालित होगा। इन जिलों में पोलियो दवाई पिलाने के लिये स्थानीय बूथ के साथ-साथ माइग्रेटरी पापुलेशन को कवर करने के लिये मोबाइल टीम भी गठित की जायेगी।

अरिहंत परमात्मा की भक्ति एवं पूजा अर्चना से ही मोक्ष मार्ग की साधना है :मुनि राजपद्मसागरजी

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

बेंगलूरू ।श्री शांतिनाथ श्वेतांबर मूर्ति पूजक जैन संघ एल.एन पुरम श्रीरामपुरम में बेंगलुरु जेपीपी श्रमणी भवन में प्रवचन के दौरान श्रावक एवं श्राविकाओं को सारे तीर्थ का इतिहास की बातें को समझाते हुए मुनि राजपद्मसागर जी महाराज साहब ने विश्व की प्राचीन कौनसी प्रतिमा है उसके बारे में रेवतगिरी में विराजमान गिरनार तीर्थ मंडण 22 वें तीर्थंकर श्री नेमिनाथ परमात्मा के नयनरम्य, श्यामवरणीय दर्शन करते ही अपने मन के अंदर अहोभाव पैदा हो जाए, ऐसे ऐतिहासिक प्रतिमा के बारे में समझाते हुए कहा कि गत चौबीसी के अंदर तीसरे तीर्थंकर श्री सागर स्वामी के तीर्थ काल के अंदर नरवाहन राजा ने अपने मन में आए हुए, शंका का समाधान पूछा भगवान से प्रश्न किया कि भगवान इस आत्मा का उद्धार कब होगा, मेरी आत्मा कब तक इस संसार के अंदर भटकेगी, मैं इस दलदल ऐसे संसार के अंदर कब तक भटकता फिरूंगा ,यह संसार सागर कैसे में पर उतार पाऊंगा, तब भगवान ने उनको कहा की नेमिनाथ परमात्मा के शासन में आपका जीवन का उद्धार तो होगा ही लेकिन आत्मा का भी उद्धार होगा और उन्होंने तब जाकर के इस में नेमिनाथ परमात्मा की प्रतिमा भराई थी,बनवाई थी ,और नेमीनाथ परमात्मा की हम लोग साक्षात दर्शन कर रहे हैं, वह तीसरे तीर्थंकर श्री सागर स्वामी परमात्मा के शासनकाल में नरवाहन राजा ने बनवाई थी।

प्रतिमा ब्रह्मेंद्र लोक में भी देवलोक में पूजा किया है और उसके बाद में जहां पर नेमिनाथ परमात्मा कि दीक्षाभूमि है निर्वाण भूमि है जहां से परमात्मा सर्वथा दुखों से मुक्त हुए वैसी भूमि में नेमिनाथ परमात्मा की मूर्ति जो आज मुनि श्रमणपद्मसागर जी ने भी कहा कि जीवन के अंदर हम ज्यादातर सिकायत आसपास में रहने वाले व्यक्तिओं से करते हैं उस सिकायतो को किस तरफ से पॉजिटिव में ले सकारात्मक ले उसके बारे में समझाया

रक्तदान से बड़ी कोई मानव सेवा नहीं- गुरुदेव मांगलिया गुड़ा

प्रदेश अध्यक्ष गोयल ने 10 सालों में 4450 यूनिट रक्तदान करवाया

-पुष्पांजलि टुडे संवाददाता नरेश कुमार सिरवी ।
पाली राजस्थान
अजय कुमार जैन की रिपोट

जवाली पाली – रक्तदान टीम परदेसअध्यक्ष गोयल ने आज गुरुदेव का आशिवाद लीया रक्तदान टीम सादडी परदेसअध्यक्ष सुरेस गोयल ने राजथान के पाली जिला मे पिसले 10सालो से रक्तदान क्षेत मे जुडे हुए हे अब तक 4450युनट पुरा होने के बाद राजथान आने पर मागलीया गुडा गुरुदेव महेंद्र सिंह जी का आशिवाद लीया ओर बताया की मानवता से बढकर बडी कोई सेवा नही जेसा करम करेंगे वैसे ही फल मिलेगा बहुत सुदर काम कर रहे हो जरुर एक असा आयेगा एसे समाज सेवी बहुत कम होते हे जो मानव जीवन सेवा करते हे रक्तदान से बढकर कोई दान नही गुरुदेव ने बताया

जिले की सभी विधानसभा सीटों पर भाजपा जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा सीमा शिवहरे एवं उनकी महिला मोर्चा की टीम ने निभाई अहम भूमिका

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-शिवपुरी जिले की सभी विधानसभाओं में भाजपा जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा श्रीमती सीमा शिवहरे जी एवं उनकी महिला मोर्चा की टीम ने अहम भूमिका निभाई पांचो विधानसभा में प्रत्याशियों के नाम आने पर महिला जिला अध्यक्ष श्रीमती सीमा शिवहरे जी के नेतृत्व में महिला मोर्चा की सभी बहनों के साथ जाकर शिवपुरी नगर गांव गांव जाकर झुग्गी बस्तियों हरिजन बस्तियों में लाडली बहनों को हाल-चाल पूछा और चुनाव प्रचार प्रसार किया और माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा जो लाडली बहन योजना चलाई गई है उनके पैसे उनके खाते में आए या केंद्र सरकार की एवं राज्य सरकार की योजनाएं सभी उनका प्राप्त हो रही है यह सब जानकारी लेने पहुंची चुनाव का प्रचार प्रसार किया और सभी प्रत्याशी भारतीय जनता पार्टी के भारी बहुमत प्राप्त करके राज्य मैं सरकार भारतीय जनता पार्टी की बने बनाएं इसके लिए उन्होंने हर घर घर जाकर भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में वोट डालने के

लिए हाथ जोड़कर अपील भी की वह राष्ट्रहित के लिए अपना वोट जरूर दें और सुबह जल्दी उठकर सभी क्षेत्रवासी वोट डालने अवश्य जाएं उन्होंने क्षेत्र वासियों को और बहनों को बताया जब से केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार में भारतीय जनता पार्टी आई अनगिनत योजनाएं महिलाओं के लिए लाई है महिलाओं को सशक्तिकरण बढ़ाया महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया और उनका मान सम्मान भी बीजेपी पार्टी ने ही दिलवाया यह एक ऐसी पार्टी है जो गरीब की किसान की आम जनता की महिलाओं की शुद्ध लेने वाली पार्टी है आज अगर देश में सुख शांति है तो वह भाजपा पार्टी के कारण ही है महिला जिला अध्यक्ष सीमा शिवहरे जी ने माननीय प्रधानमंत्री जी की आमसभा हो माननीय मुख्यमंत्री जी की आमसभा हो या माननीय महाराज साहब सिंधिया जी की आमसभा हो सभी में सम्मिलित रही पार्टी के हर छोटे बड़े काम की जिम्मेदारी पूर्ण रूप से निभाई 17 तारीख को मतदान वाले दिन घर-घर पहुंचकर क्षेत्र वासियों को को पोलिंग बूथ तक पहुंचने का काम किया जिससे मतदान ज्यादा से ज्यादा हो पाए श्रीमती सीमा शिवहरे जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा उपस्थित रही उनके साथ में प्रदेश का समिति सदस्य सोमवती यादव जी वरिष्ठ पदाधिकारी राधा भार्गव जी महामंत्री नीलम बघेल जी कार्यालय मंत्री मुनि शर्मा जी उपाध्यक्ष ज्योति यादव जी मंत्री बबीता राठौर जी कार्यालय मंत्री महामंत्री मंडल की मिथिलेश ओझा रुक्मणी ओझा जी शिव कुमारी शर्मा जी अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बहने उपस्थित रहे।

उर्वरक अमानक पाए जाने पर विक्रय एवं भण्डारण पर प्रतिबंध

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- जिले में चंबल फर्टिलाइजर एवं केंमीकल लि.गड़ेपान कोटा राजस्थान की उर्वरक प्रदायक कंपनी का डीएपी उर्वरक प्रयोगशाला में जांच के दौरान अमानक पाए जाने पर क्रय, विक्रय, स्थानांतरण एवं भण्डारण पर रोक लगा दी गई है। किसान कल्याण तथा कृषि विकास के उपसंचालक एवं अधिसूचित प्राधिकृत अधिकारी यू.एस.तोमर ने बताया है कि जिले में विक्रेता प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्या. मगरौनी नरवर से चंबल फर्टिलाईजर एवं केंमीकल लि.गड़ेपान कोटा राजस्थान की उर्वरक प्रदायक कंपनी का डीएपी उर्वरक का नमूना लिया गया था। जो प्रयोगशाला में अमानक पाए जाने के कारण उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के खण्ड 26 के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए एसईपीएल लॉट के उर्वरक का जिले में क्रय, विक्रय, स्थानांतरण एवं भण्डारण प्रतिबंधित कर दिया गया है।

नगर परिषद द्वारा प्रारंभ किया गया जलकर एवं समेकित

मुंगावली -दैनिक पुष्पांजली टुडे
संवाददाता जितेंद्र राय

नगर परिषद मुंगावली द्वारा नगर परिषद सीएमओ विनोद उन्नितान के निर्देश पर मंगलवार से नगर में जलकर वसूली एवं समेकित संपत्ति कर वसूली अभियान प्रारंभ किया गया है घर-घर जलकर एवं संपत्ति कर की रसीद देखी जा रही हैं टैक्स जमा न होने पर नल कनेक्शन काटने की कार्यवाही प्रारम्भ कर दी गई है एवं सम्पत्ति कर जमा न होने पर सम्पत्ति कुर्की कार्यवाही भी की जाएगी प्रत्येक वार्ड में दल बनाये गए हैं जो निरंतर वसूली कार्यवाही करेंगे। जो कि प्रतिदिन प्रत्येक वार्ड में निरंतर जारी रहेगी ।

जल कर वसूली प्रभारी नवेद काजी एवं राजकुमार विश्वकर्मा द्वारा जलकर वसूली कार्यवाही की गई जल कर वसूली टीम में नवेद काजी राजकुमार विश्वकर्मा अजय राजपूत समेकित सम्पत्ति कर टीम में धनसिंह मोगिया शैलेष अग्रवाल अनिल नामदेव श्रीराम चिढार आदि उपस्थित रहे।

पारसनाथ कल्याण मंदिर विधान में चड़े 2000 अर्घ, शुक्रवार को हवन के साथ किया जाएगा विधान का समापन

मुंगावली-दैनिक पुष्पांजली टुडे
संवाददाता जितेंद्र राय-

105आर्यिका माँ अमूल्य मति माता जी ससंघ का होगा भव्य पिच्छिका का परिवर्तनमुंगावली नगर में विराजमान आचार्य श्री विद्या सागर जी महाराज की परम प्रभाविका शिष्या आर्यिका माँ अमूल्य मति माता जी ससंघ के सानिध्य में पारसनाथ कल्याण मंदिर विधान का आयोजन किया जा रहा है जिसका समापन शुक्रवार को हवन के साथ किया जाएगा वही इस विधान में 2400 अर्घ समर्पित किये जायेंगे विधान में अभी तक 2000 अर्घ च? गए, यह आयोजन नगर के संत भवन में आयोजित किया जा रहा है कार्यक्रम की शुरुआत के साथ सुबह श्री जी का अभिषेक, शांतिधारा की जाती है जिसके बाद आचार्य श्री के चित्र अनावरण के साथ दीप प्रज्वलन होता है। विधान के मूल पात्रों के आलवा प्रतिदिन एक श्रावक श्रेष्ठी परिवार भी बनाया जाता है ।इस आयोजन में ब?ी संख्या में श्रादलुओ विधान का धर्म लाभ ले रहे है। 15 नम्बर से शुरू हुए विधान में सभी धार्मिक क्रियाएं ब्रह्मचारी अविनाश भैया भोपाल,ओर नगर गौरव मोनू भैया जी के निर्देशन में संपन्न किया जा रहा है। वही विधान के अवसर पर शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाता है। सांस्क्रतिक कार्यक्रम से पूर्व संगीतमय मंगल आरती की जाती है ।वही मंगलवार को श्रावक श्रेटी बनने का सौभाग्य अशोक सराफ राहुल सराफ जैन परिवार को मिला इन्हें शांतिधारा ओर आचार्य श्री के चित्र अनावरण का पुण्य लाभ भी मिला।आज होगा माताजी का भव्य पिच्छिका परिवर्तन- वही नगर में चातुर्मास कर रही आर्यिका माँ अमूल्य मति माता जी ससंघ का भव्य पीच्छिका का आयोजन बुधवार को दोपहर में 2 बजे से संत भवन में किया जाएगा। जिसमे श्रादलुओ द्वारा माता जी को पुरानी ओर नवीन पिच्छी लेने और देने का सौभाग्य मिलेगा इस आयोजन में भारी संख्या में बाहर से लोग आएंगे और धर्म लाभ लेंगे।

कोलम्बिया ने क्रॉनिक डिजीज से बचाव के लिए किया जंक फूड लॉ लागू, जानें क्या है यह कानून

खराब लाइफस्टाइल की वजह से हमें कई बीमारियों का सामना करना पड़ता है। खराब लाइफस्टाइल में अनहेल्दी डाइट की बहुत बड़ी भूमिका है। इसी समस्या को रोकने के लिए कोलम्बिया में जंक फूड लॉ पारित किया गया है। इस कानून की वजह से अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड आइटम्स पर 10 प्रतिशत टैक्स लगाया जाएगा। जानें क्या है यह कानून और खराब लाइफस्टाइल की वजह से कौन-सी बीमारियां हो सकती हैं।

कोलम्बिया में एक काफी रोचक और महत्वपूर्ण कानून लागू हुआ है। इस कानून के अनुसार, जो भी अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड्स हैं, जिनमें शुगर, नमक या फैट्स की मात्रा बहुत अधिक होती है, उन पर 10 प्रतिशत टैक्स लगाया जाएगा। इन फूड्स में जेली, जैम, सॉस, प्युरी, सीजनिंग और सॉसेज आदि शामिल हैं। इन फूड आइटम्स पर अगले साल 15 प्रतिशत और 2025 तक 25 प्रतिशत टैक्स लगाया जाएगा।इस तरह का कानून लागू करने वाला कोलम्बिया पहला देश बन गया है। ऐसा कदम उठाने के पीछे का मकसद लाइफस्टाइल की वजह से होने वाली बीमारियों को कम करना है। कोलम्बिया के लोगों के खाने में सोडियम की मात्रा अधिक होना, इसकी एक बड़ी वजह है। कोलम्बिया में एक व्यक्ति लगभग 12 ग्राम नमक खाता है, जिस वजह से कोलम्बिया में हाइपरटेंशन और दिल की बीमारियों के मामले बढ़ते जा रहे हैं। हर साल इन बीमारियों की वजह से कई लोगों की जान जाती है। इस समस्या को कम करने के लिए कोलम्बिया ने यह कानून लागू किया है, जिसका नाम जंक फूड लॉ है।

संयुक्त राष्ट्र (United Nations) की एक रिपोर्ट के मुताबिक, लाइफस्टाइल की वजह से कई क्रॉनिक बीमारियां हो सकती है। इन बीमारियों की वजह से हर साल कई करोड़ मौतें होती हैं। इन बीमारियों के पीछे लाइफस्टाइल की तीन आदतें जिम्मेदार हैं- स्मोकिंग, अनहेल्दी डाइट और इनएक्टिव लाइफस्टाइल। इन तीन आदतों में बदलाव कर कई खतरनाक बीमारियों से बचा जा सकता है। आइए जानते हैं खराब लाइफस्टाइल की वजह से आप किन बीमारियों के शिकार हो सकते हैं और इनसे बचाव के लिए क्या कदम उठाने चाहिए।

स्ट्रोक

स्ट्रोक एक ऐसी बीमारी है, जिसमें ब्रेन के हिस्से में खून नहीं पहुंच पाता है। यह दिमाग की नस फटने की वजह से हो सकता है, जिससे दिमाग के किसी हिस्से तक खून नहीं पहुंच पा रहा है या दिमाग में मौजूद किसी नस में ब्लड क्लॉटिंग हो गई है। इस वजह से ब्रेन के सेल्स ऑक्सिजन की कमी से मरने लगते हैं। स्ट्रोक आने का कारण हाई ब्लड प्रेशर हो सकता है, जो लाइफस्टाइल खराब होने की वजह से होता है।

हाइपरटेंशन

हाइपरटेंशन में आपका ब्लड प्रेशर बहुत हाई हो जाता है। रक्त का आर्टरीज पर प्रेशर बढ़ जाता है, जिस कारण से वह फट भी सकती है और हार्ट अटैक, स्ट्रोक जैसी जानलेवा समस्याएं हो सकती हैं। हाइपरटेंशन की भी प्रमुख वजह खराब लाइफस्टाइल है।

मोटापा

मोटापा एक बीमारी है, जिसमें आपका बीएमआई 30 से अधिक हो जाता है। इस बीमारी की वजह से कई अन्य जानलेवा बीमारियां हो सकती हैं, जैसे- डायबिटीड, हार्ट अटैक, हाइपरटेंशन आदि। इस बीमारी के पीछे भी लाइफस्टाइल बहुत बड़ा फैक्टर है।

डायबिटीज

यह एक ऐसी बीमारी है, जिसमें हमारे पैनक्रियाज सही मात्रा में इंसुलिन बना नहीं पाता या बॉडी में उसका सही से इस्तेमाल नहीं हो पाता, जिस वजह से ब्लड शुगर लेवल बढ़ जाता है। इस बीमारी का प्रभाव आपके दिल, लिवर, किडनी, आंखों और पैरों पर पड़ता है।

हार्ट डिजीज

हार्ट डिजीज एक आम टर्म है, जिसका इस्तेमाल हम दिल से जुड़ी कई बीमारियों के लिए करते हैं। खराब लाइफस्टाइल की वजह से हार्ट अटैक, कार्डियक अरेस्ट, हार्ट फेलियर जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

क्या कर सकते हैं बदलाव?

स्मोकिंग न करें। स्मोक करने की वजह से लंग्स की बीमारियां, डायबिटीज, हार्ट डिजीज आदि की समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए स्मोकिंग या किसी भी तंबाकू के प्रोडक्ट का इस्तेमाल न करें।

प्रधानमंत्री का (अ) लोकतांत्रिक चरित्र

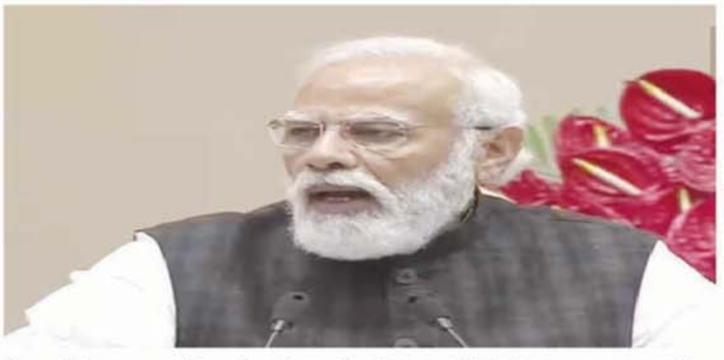

लोकतंत्र की जिस जननी का वास्ता मोदीजी दिया करते हैं, वह तो एक अमूर्त कल्पना है। असल में यहां के लोग ही हैं, जो लोकतंत्र को बनाए रखने का काम करते हैं। इन्हीं लोगों में से निकले थे हमारे स्वाधीनता सेनानी और आजाद भारत के निर्मातागण, जिन्होंने भारत को वो लोकतांत्रिक रूप दिया, जिसका गुणगान आज श्री मोदी पूरी दुनिया में करते हैं और जिसकी वजह से भारत को इज्जत मिलती है।दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत में लोकतांत्रिक तरीके से चुने गए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मूल चरित्र कितना लोकतांत्रिक है, या लोकतंत्र के लिए उनके मन में कितना सम्मान है, ये सवाल पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के बीच फिर उठ खड़ा हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी अनेक मौकों पर भारत को लोकतंत्र की जननी बता चुके हैं। इस तरह के रूपक सुनने में बहुत अच्छे लगते हैं, इनसे गर्व का बोध होता है कि हम कितने महान देश में रहते हैं, कि भारत ने दुनिया को लोकतंत्र का पाठ पढ़ाया, कि यहां की गंगा-जमुनी संस्कृति इंसानियत के लिए मिसाल है।इकबाल ने लिखा भी है- कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी। जब उन्होंने हिंदुस्तान की इस खासियत का जिक्र किया था, तब बेशक भारत आजाद और लोकतांत्रिक देश नहीं बना था, लेकिन फिर भी उसकी बुनियाद में लोकतंत्र के गुण शामिल थे, जैसे विरोधियों का आदर करना, विचारों में मतभेद के बावजूद स्वस्थ मानसिकता के साथ तर्क करना और सबको साथ लेकर चलना। इन्हीं गुणों के कारण तरह-तरह के झंझावात सहने के बावजूद भारत विश्व के मानचित्र में डटा रहा, बना रहा, जबकि कई महान सभ्यताएं समय के थपेड़ों को सह नहीं पाईं और मिट गईं। लोकतंत्र की जिस जननी का वास्ता मोदीजी दिया करते हैं, वह तो एक अमूर्त कल्पना है। असल में यहां के लोग ही हैं, जो लोकतंत्र को बनाए रखने का काम करते हैं। इन्हीं लोगों में से निकले थे हमारे स्वाधीनता सेनानी और आजाद भारत के निर्मातागण, जिन्होंने भारत को वो लोकतांत्रिक रूप दिया, जिसका गुणगान आज श्री मोदी पूरी दुनिया में करते हैं और जिसकी वजह से भारत को इज्जत मिलती है। भारत के लिए जो सम्मान हमारे पुरखों ने कमाया, क्या उसे मौजूदा नेतृत्व संभाल कर रख पा रहा है। क्या अपने विरोधियों के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल, उनका अपमान लोकतांत्रिक कहला सकता है। इन सवालों का जवाब भारत की जनता को खुद ही तलाश करना होगा, क्योंकि सवाल उसकी अपनी हस्ती, अपनी पहचान का है।कुछेक घटनाओं, प्रसंगों का विश्लेषण कर इन सवालों के जवाब तलाशने में मदद मिल सकती है। 14 नवंबर को देश के पहले प्रधानमंत्री पं.जवाहरलाल नेहरू की जयंती थी। नेहरूजी महज आजाद भारत के पहले प्रधानमंत्री नहीं थे, वे औपनिवेशिक दासता की चंगुल की छूट रही दुनिया में उम्मीद की एक किरण भी थे। गांधीजी ने उन्हें हिंद का जवाहर कहा, जो दुनिया के किसी भी सम्मान या उपाधि ये बड़ी उपलब्धि है। स्वतंत्र भारत को आत्मनिर्भर बना कर विकास की राह पर कदम-कदम बढ़ाने का काम नेहरूजी ने किया, और उनकी दूरदर्शिता के लिए भारत हमेशा उनका आभारी रहेगा। लेकिन यह देखकर अफसोस हुआ कि नेहरूजी की जयंती पर उन्हें याद करने का काम मुख्य तौर पर कांग्रेस ने ही किया, गोया नेहरूजी केवल कांग्रेस नेता और कांग्रेस के ही प्रधानमंत्री थे। कुछेक बुद्धजीवियों, लेखकों ने भी पं.नेहरू को याद किया।

और हमारे प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर औपचारिकता निभाते हुए लिखा- %हमारे प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू जी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि।% यानी मोदीजी की निगाह में पं. नेहरू पहले प्रधानमंत्री से अधिक कुछ नहीं थे। वैसे श्री मोदी से उम्मीद भी नहीं थी कि वे नेहरूजी की शान में कसीदे गढ़ेंगे, मगर जिस इंसान की नेतृत्व क्षमता और राजनैतिक विचारों की दुनिया कायल थी, उसके लिए केवल एक पंक्ति में औपचारिक श्रद्धांजलि देकर प्रधानमंत्री मोदी ने खुद साबित कर दिया कि वैचारिक मतभेद को वे राजनैतिक शिष्टाचार से ज्यादा तरजीह देते हैं। 14 नवंबर को ही नरेन्द्र मोदी ने मध्यप्रदेश की चुनावी सभा में इशारों-इशारों में राहुल गांधी के लिए अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। जिससे फिर उनके अलोकतांत्रिक व्यवहार की झलक देखने मिली।

बैतूल में 14 नवंबर को एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कल कांग्रेस के एक महाज्ञानी कह रहे थे कि भारत में सब लोगों के पास मेड इन चाइना मोबाइल फोन होता है। अरे मूर्खों के सरदार, किस दुनिया में रहते हो। कांग्रेस के नेताओं को अपने देश की उपलब्धियां न देखने की मानसिक बीमारी हो गई है। जबकि, सच्चाई ये है कि आज भारत दुनिया में मोबाइल फोन का दूसरा सबसे बड़ा निर्माता है। गौरतलब है कि राहुल गांधी ने मध्यप्रदेश में कहा था कि आपके मोबाइल के पीछे मेड इन चाइना लिखा होता है, हम उसे मेक इन मध्यप्रदेश बनाना चाहते हैं। श्री गांधी युवाओं की सबसे बड़ी समस्या बेरोजगारी को दूर करने के बारे में बात कर रहे थे। जिसका मोदीजी ने इतना बुरा माना कि राहुल गांधी को मूर्खों का सरदार कह दिया। उनके बाद असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वासरमा ने भी उनके सुर में सुर मिलाया।मोदीजी ने भारत की उपलब्धियां न देख पाने का संबंध मानसिक बीमारी से जोड़ दिया। जिस देश में हर सातवां इंसान किसी न किसी मानसिक बीमारी से ग्रसित है, जहां हर रोज औसतन 7 सौ लोग मानसिक बीमारी के कारण आत्महत्या करते हैं, जहां सरकारी नीतियों से उपजी रोजमर्रा की दिक्कतों के कारण मानसिक रोगियों की संख्या बढ़ती जा रही है, उस देश में चुनावी फायदे के लिए मानसिक बीमारी का इतने हल्के स्तर पर जिक्र करना क्या प्रधानमंत्री पद पर बैठे इंसान को शोभा देता है, ये सोचने वाली बात है।श्री मोदी चाहते तो इस बात का सीधा जवाब देते कि राहुल गांधी गलत कह रहे हैं और आंकड़े बता देते कि देश में कितने फोन मेड इन चाइना हैं, और कितने मेड इन इंडिया हैं। तर्कों के साथ वाद-विवाद इसी को कहते हैं। मगर प्रधानमंत्री मोदी का इरादा राहुल गांधी का अपमान कर, उनकी छवि खराब करने का था, जिससे उन्हें चुनावी लाभ मिल सके। अब क्या इस व्यवहार को लोकतांत्रिक कहा जा सकता है। चुनावों में तो अक्सर सत्तारुढ़ दल पर विपक्षी हमला करते हैं, और बताते हैं कि मौजूदा सरकार की कमियां क्या रहीं। जनता अगर स्वीकार करती है कि सरकार में कमी है, तो अगली बार वो किसी और को मौका देती है, अगर मानती है कि कमी नहीं है, तो फिर उसी सरकार को मौका मिलता है।नरेन्द्र मोदी खुद गुजरात में तीन बार और केंद सरकार में दो बार ये मौका प्राप्त कर चुके हैं। फिर भी वे लोकतंत्र का अपमान कर रहे हैं। श्री मोदी की ये शिकायत बेमानी है कि कांग्रेस के लोगों को देश की उपलब्धियां नहीं दिखतीं। दरअसल वे चाहते ही नहीं है कि विपक्ष उनके शासन में किसी तरह की कमियां निकाले। बल्कि वे तो विपक्ष मुक्त और कांग्रेस मुक्त भारत ही चाहते थे। अभी कुछ समय से कांग्रेस मुक्त वाला नारा शांत किया गया है, क्योंकि भाजपा को समझ आ गया कि ऐसे नारे देश की जनता बर्दाश्त नहीं करेगी, देश की जनता का भी मूल चरित्र लोकतांत्रिक ही है। इसलिए उसने 10 सालों के कांग्रेस के शासन के बाद 10 साल का मौका भाजपा को दिया है। अगर इस दौरान देश में उपलब्धियां हासिल हुई हैं, तो वे जनता को अपने आप नजर आ जाएंगी। और अगर नहीं हुई हैं, तो वह भी जनता को दिख जाएगा। अगर जनता ये कहेगी कि देश में महंगाई है, नौकरियां नहीं हैं, लड़कियां सुरक्षित नहीं हैं, हाशिए के वर्गों का अपमान हो रहा है, तो क्या प्रधानमंत्री मोदी जनता को भी मानसिक बीमार कह देंगे।सवाल ये भी है कि क्या हकीकत से मुंह चुरा कर लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत किया जा सकता है। मणिपुर पर प्रधानमंत्री की चुप्पी, नरेन्द्र सिंह तोमर के बेटे के वीडियो प्रकरण पर खामोशी, रमेश बिधूड़ी मामले में कुछ न बोलना, ऐसे कई उदाहरण हैं, जिनसे पता चलता है कि प्रधानमंत्री मोदी उन मसलों पर बिल्कुल चुप हो जाते हैं, जिनकी वजह से उन्हें राजनैतिक या चुनावी असुविधा हो सकती है। इसे ही मुंह चुराना कहते हैं। लोकतंत्र की जननी का सम्मान क्या ऐसी मौकापरस्त चुप्पी या फिर बड़बोलेपन से हो सकता है, ये भी विचारणीय है।

संपादकीय

कैसे बरकरार रहे लोकतंत्र की शोभा

हमसे लड़ने की हिम्मत तो जुटा लोगे लेकिन कमीनापन कहां से लाओगे

हमसे लड़ने की हिम्मत तो जुटा लोगे लेकिन कमीनापन कहां से लाओगे? फौजियों का गोश्त कौवों को खिलायेंगे। फिल्म चाइना गेट के ये संवाद है। जिन्हें फिल्म में जगीरा का किरदार निभाने वाले अभिनेता मुकेश तिवारी ने भाजपा प्रत्याशी कैलाश विजयवर्गीय की चुनावी सभा में सुनाया। इस पर सभा में उपस्थित लोगों ने तो तालियां बजाई ही, खुद भाजपा प्रत्याशी भी इस पर ताली बजाते दिखे।फिल्म में जिस पृष्ठभूमि में ये संवाद बोले गए, वो अलग बात है, मगर चुनाव प्रचार में इन संवादों के बोले जाने पर सियासी बखेड़ा खड़ा हो गया है। कांग्रेस ने इन संवादों पर सवाल उठाए और कहा कि इन गुणों की हमें जरूरत नहीं, ये भाजपा को ही मुबारक। तो भाजपा ने पलटवार कर दिया कि अब कांग्रेस फिल्मी संवाद में भी राजनीति तलाश रही है। भाजपा और कांग्रेस के तर्कों में कौन सही है और कौन गलत, ये तय करने का काम चुनाव आयोग का है, बशर्ते ये मामला आयोग तक पहुंचे। इतना जरूर है कि अगर किसी और मंच या मौके पर इन संवादों पर कोई आपत्ति नहीं करता। मगर चुनाव के दौरान खास तौर पर ये कहना कि हमसे लड़ने की हिम्मत तो जुटा लोगे, लेकिन कमीनापन कहां से लाओगे, निश्चित ही अशोभनीय लग रहा है।चुनाव प्रचार में लोकतंत्र की शोभा बनी रहे, यह जिम्मेदारी चुनाव आयोग की है। कड़वी सच्चाई है कि सत्ता हासिल करने के लिए शातिर चालें चली जाएंगी, हथकंडे अपनाए जाएंगे, वोट हासिल करने के लिए साम-दाम-दंड-भेद सभी तरीकों का इस्तेमाल भी होगा। अगर ये मान लिया जाए कि सभी उम्मीदवार नैतिकता की मिसालें कायम करते हुए पूरी ईमानदारी से चुनाव लड़ेंगे तो यह खुद को धोखा देने वाली बात है। हकीकत यही है कि चुनाव में जहां मौका मिलेगा, वहां बेईमानी होगी, चाहे वो किसी भी तरह की हो। इसलिए देश में निर्वाचन आयोग की व्यवस्था की गई है, उसे हर तरह के राजनैतिक दबाव से मुक्त रखा गया है, ताकि निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव हो सकें। चुनाव में होने वाली बेईमानियों पर अंकुश लग सके। अफसोस है कि निर्वाचन आयोग से लोकतांत्रिक देश के नागरिकों को जो उम्मीदें थीं, वो उन पर खरा नहीं उतर पा रहा है। देश की जांच एजेंसियों से भी ऐसी ही निराशा हाथ लगी है। ऐसा लग रहा है मानो इन सबकी डोर एक ही जगह बंधी है और वहीं से सारे खेल खेले जा रहे हैं। इन डोरियों से बंधी संस्थाओं में कब किसको किस मौके पर उठाना है, कितना आगे बढ़ाना है, कितना पीछे खींचना है, ये सब कोई और ही तय कर रहा है। जनता को केवल मंच पर होने वाली हलचल दिख रही है, उसके पीछे क्या चल रहा है, इसका अहसास ही नहीं हो रहा।

जिस मध्यप्रदेश में कमीनापन जैसे निम्नस्तरीय शब्द को चुनावी मंच से कहा गया, उसी मध्यप्रदेश में भाजपा प्रत्याशी और केन्द्रीय कृषि मंत्री नरेन्द सिंह तोमर के सुपुत्र देवेंद्र सिंह तोमर से जुड़े कुछ वीडियो पिछले दिनों वायरल हुए। सत्ता के खेल में सीडी, वायरल वीडियो, फोन टैपिंग जैसे हथियारों का इस्तेमाल अब नयी बात नहीं रह गई है। राजनैतिक दल अक्सर चुनाव के वक्त इन्हें एक-दूसरे के खिलाफ इस्तेमाल करते हैं। श्री तोमर के बेटे के जो वीडियो सामने आए हैं, उनमें शुरुआती दो वीडियो में पहले सौ और फिर पांच सौ करोड़ के लेन-देन की बात की गई है और इसके बाद एक तीसरा वीडियो भी आया, जिसमें एक शख्स ने दावा किया कि पहले दो वीडियो में उसी से देवेंद्र तोमर की बातचीत हो रही थी। उसने बताया कि मामला सौ-पांच सौ नहीं, दस हजार करोड़ का है। इसके अलावा विदेश में गांजे की खेती की बात भी इस शख्स ने की। तोमर परिवार के सदस्यों के साथ व्हाट्स ऐप संदेशों के आदान-प्रदान से लेकर उनके आवास पर पार्सल भिजवाने जैसे कई खुलासे इस शख्स ने किए और साफ-साफ कहा कि कोई मीडिया संस्थान उनसे संपर्क करेगा तो वो सारे सबूत दे देंगे।न खाऊंगा, न खाने दूंगा। सारे भ्रष्टाचारियों का हिसाब लूंगा। ऐसे दावे करने वाले नरेन्द्र मोदी के लिए ये एक प्रकरण काफी था कि वे तुरंत हरकत में आते और अपनी केबिनेट के एक वरिष्ठ मंत्री का नाम इस मामले में सामने आने पर उनसे इस्तीफा लेकर नैतिकता के उच्च मापदंड का परिचय देते। देश की ईडी और सीबीआई जैसी जांच एजेंसियां जो जरा सी भनक के आधार पर विपक्षी नेताओं के ठिकाने पर बड़े पैमाने पर छापेमारी कर उनसे घंटों पूछताछ के उदाहरण पेश कर चुकी है, वो जांच एजेंसियां न जाने क्यों अब तक मध्यप्रदेश नहीं जा पाई हैं। जबकि उससे लगे छत्तीसगढ़ और राजस्थान में ईडी, सीबीआई का आना-जाना लगा रहता है। चुनाव आयोग के कान भी इस वीडियो को देखकर खड़े हो जाने चाहिए थे, क्योंकि स्वतंत्र चुनाव तभी संभव है, जब उसमें बेनामी पैसे या काले धन का इस्तेमाल नहीं हो। अगर बात दस हजार करोड़ की है, तो क्या आयोग ये सोचकर निश्चिंत बैठा रह सकता है .

अमेरिकी और पश्चिमी राजनयिक बांग्लादेश में खुलकर कर रहे हैं विपक्ष का समर्थन

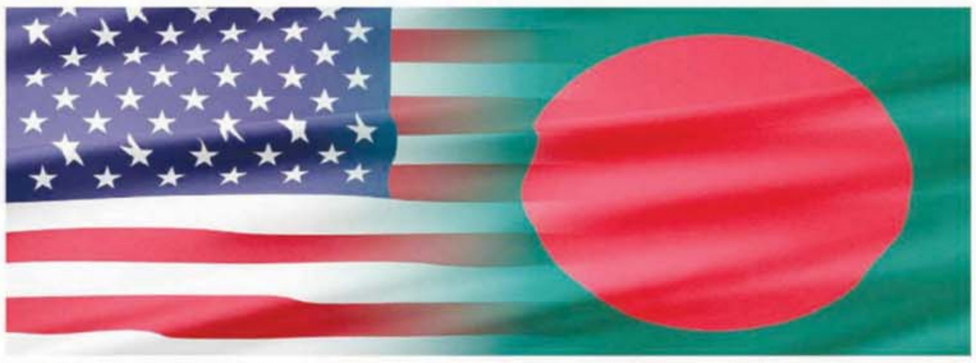

बांग्लादेशी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर उत्साही बहसों की वर्तमान बयानबाजी और विशेषज्ञों द्वारा लिखे गये लेखों के स्वर से यह आम तौर पर स्वीकार किया जाता है कि अमेरिका के नेतृत्व वाले पश्चिमी देशों का गुट निस्संकोच अवामीलीग विरोधी विपक्षी अभियान का समर्थन कर रहा है।पिछले कुछ वर्षों के दौरान बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था में लगातार गिरावट ने अमेरिका के साथ उसके असहज संबंधों में वर्तमान तनाव को बढ़ा दिया है। इसने सत्तारूढ़ अवामीलीग (एएल) की स्थिति को राजनीतिक रूप से और अधिक कमजोर कर दिया है ऐसे समय जब यह 2024 के संसदीय चुनावों के लिए अपना चुनाव पूर्व अभियान चला रही है।बांग्लादेशी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर उत्साही बहसों की वर्तमान बयानबाजी और विशेषज्ञों द्वारा लिखे गये लेखों के स्वर से यह आम तौर पर स्वीकार किया जाता है कि अमेरिका के नेतृत्व वाले पश्चिमी देशों का गुट निस्संकोच अवामीलीग विरोधी विपक्षी अभियान का समर्थन कर रहा है। हाल के महीनों में पश्चिमी राजनयिकों/नेताओं की बांग्लादेश की बार-बार यात्राएं, आमतौर पर एएल सरकार से स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए अधिक पारदर्शी उपाय अपनाने का आग्रह करना, एएल-संचालित प्रशासन के बारे में उनके बमुश्किल छिपे हुए अविश्वास का एक संकेत है।

गौरतलब है कि बांग्लादेश में हाल ही में लिए गए प्रशासनिक निर्णयों की तथाकथित उदारवादी पश्चिमी आलोचना का जोर उन मुद्दों पर भी केंद्रित है जो स्पष्ट रूप से राजनीतिक नहीं हैं। उदाहरण के लिए कपड़ा उद्योग के श्रमिकों द्वारा उठाई गई वेतनवृद्धि की मांगों से जिस तरह से आधिकारिक तौर पर निपटा जा रहा है और बांग्लादेश की सरकार नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री डॉ मोहम्मद यूनुस की आर्थिक परियोजनाओं और नीतियों के खिलाफ जिस ढंग से मुखालफत कर रही है।

इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि सत्ताधारी एएल नेताओं/मंत्रियों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्हें लगता है कि ऐसे कदम बांग्लादेश की घरेलू राजनीति/शासन में सीधे हस्तक्षेप से कम नहीं हैं। बांग्लादेश सरकार ने सेवारत राजनयिकों को चेतावनी देना आवश्यक समझा है कि ऐसी गतिविधियों को प्रायोजित करना/भाग लेना आवश्यक रूप से समय-सम्मानित राजनयिक व्यवहार का हिस्सा नहीं है।

कोई आश्चर्य नहीं कि कुछ पर्यवेक्षकों को लगता है कि वर्तमान में, जब मुट्ठी भर बांग्लादेशी अधिकारियों को पहले से ही अमेरिका द्वारा लगाये गये प्रतिबंधों के तहत रखा गया है, तो ऐसा लगता है कि सत्तारूढ़ एएल जो कुछ भी करता है उसे मुख्यधारा के पश्चिमी उदारवादी प्रेस द्वारा सकारात्मक दृष्टि से नहीं देखा जायेगा। पश्चिम में आम सहमति यह है कि आगामी चुनावों के बारे में ढाका में दी गई आधिकारिक घोषणाओं और आश्वासनों के बावजूद, विपक्षी कथा को पूरी तरह से स्वीकार किया जाना चाहिए।बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेतृत्व वाले विपक्ष द्वारा भेजा गया व्यापक राजनीतिक संदेश यह है कि एएल ने अपनी अच्छी तरह से प्रचारित चुनाव जीत सुनिश्चित करने के लिए अपने अभियान में व्यापक धमकी/हिंसा का सहारा लेकर हमेशा चुनावों में धांधली की है। विडंबना यह है कि ठीक इसी तरह के आरोप बीएनपी के खिलाफ उसकी पिछली चुनावी जीत के दौरान भी लगाये गये थे।

मोटे तौर पर, %भ्रष्ट% एएल पर चुनावों में धांधली करने और हिंसा द्वारा अपने विरोधियों को हाशिए पर रखने का आरोप है। जहां तक बीएनपी का सवाल है, उस पर भ्रष्टाचार और अवसरवाद की उच्च खुराक के साथ-साथ उसके पाकिस्तान समर्थक आक्रामक इस्लामवादी दृष्टिकोण के लिए हमला किया जाता है।ढाका में राजनयिक प्रतिष्ठान इस स्थिति में तेजी से विभाजित है- लगभग अनुमान के मुताबिक, जबकि अमेरिका और यूरोपीय संघ के देश एएल के आलोचक बन गए हैं, बांग्लादेश के प्रमुख क्षेत्रीय/निकटवर्ती पड़ोसी जैसे चीन, रूस और भारत सत्तारूढ़ एएल सरकार के कहीं अधिक समर्थक हैं। रूस और चीन ने बांग्लादेश के आंतरिक मामलों में अमेरिका और उसके सहयोगियों द्वारा अपनाये गये खुले हस्तक्षेप और दबाव की रणनीति की कड़ी निंदा की है।इसके ठीक विपरीत, बांग्लादेश के घरेलू राजनीतिक विकास में अपनी भागीदारी के अलावा, रूस, चीन और भारत ने पिछले कुछ वर्षों में देश को एक मजबूत अर्थव्यवस्था बनने में मदद की है। पश्चिम के विपरीत इन देशों ने छोटी और लंबी अवधि की परियोजनाओं के माध्यम से बांग्लादेश को वित्तीय और तकनीकी रूप से मदद की है- लेकिन बिना शर्त के!फिर भी, बांग्लादेशी विदेशी मुद्रा भंडार वर्तमान में केवल .19अरब रह गया है - अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के अनुमान के अनुसार .16.5अरब। सत्तारूढ़ एएल को सफलता का सबसे मजबूत दावा का लाभ मिल रहा था, जो महत्वपूर्ण चुनाव पूर्व महीनों में धीरे-धीरे ढह रहा है। एएल के कार्यकाल के दौरान बांग्लादेश में हाल ही में देखी गई आर्थिक प्रगति, जिसमें प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि के मामले में बांग्लादेश ने भारत को पीछे छोड़ दिया, को स्वाभाविक रूप से इसके नेताओं द्वारा उपलब्धि के एक उच्च बिंदु के रूप में उजागर किया गया।अब अचानक ऐसे दावों को लेकर परेशान करने वाले सवाल उठने लगेहैं। यह सामान्य ज्ञान है कि कोविड महामारी और यूक्रेन युद्ध के बाद बांग्लादेश में आर्थिक गिरावट के अचानक संकेत आ रहे हैं जो बांग्लादेश के नियंत्रण से परे हैं। मजबूत अमेरिकी डॉलर की तुलना में राष्टीय मुद्रा टका में गिरावट आई है (आधिकारिक तौर पर 1 डॉलर 110.5 टका के बराबर है लेकिन अनौपचारिक रूप से यह दर 120 से अधिक है, जो प्रेषण आय क्षेत्र में अवैध हुंडी लेनदेन को प्रोत्साहित करती है, जिससे आधिकारिक राजस्व संग्रह प्रभावित होता है)।

ढाका स्थित नीति-निर्माता भी वर्तमान निर्यात प्रवृत्तियों को लेकर चिंतित हैं। हाल के महीनों में अमेरिका को परिधान निर्यात में भारी गिरावट आई है। अंतरराष्टीय स्तर पर निर्यात के अपने आधार का विस्तार करने के अपने सभी प्रयासों के बावजूद बांग्लादेश सरकार उतनी सफल नहीं हो पाई है। 90 प्रतिशत से अधिक निर्यात आय अभी भी कपड़ा क्षेत्र से आती है। ऐसी कमाई का लगभग 95 प्रतिशत अमेरिका और यूरोपीय संघ के देशों से आता है। जब भी अमेरिका में बांग्लादेश की कपड़ा उत्पादक इकाइयों में महिलाओं के शोषण और बाल श्रम के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया गया है, तो इसका प्रभाव पूरे देश की अर्थव्यवस्था पर गंभीर रूप से महसूस किया गया है।

म्यांमार-चीन सीमा क्षेत्र में 5.7 तीव्रता का भूकंप

बर्लिन। म्यांमार-चीन सीमा क्षेत्र में सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.7 रही। यह जानकारी मीडिया रिपोर्ट्स में दी गई है। मीडिया रिपोर्ट्स में जर्मन

रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज (जीएफजेड) के हवाले से म्यांमार-चीन सीमा क्षेत्र में शक्तिशाली भूकंप के झटके महसूस होने की जानकारी साझा की गई है। जीएफजेड ने कहा है कि भूकंप 10 किलोमीटर (6.21 मील) की गहराई पर था।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में गाजा में संक्षिप्त युद्धविराम का प्रस्ताव पारित,इजराइल का मानने से इनकार

संयुक्त राष्ट्र। हमास-इजराइल युद्ध पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने पहली बार मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए, संक्षिप्त युद्धविराम का प्रस्ताव पारित किया। इजराइल ने इसे मानने से इनकार कर दिया है। इजराइल ने कहा है कि बंधकों की रिहाई के बिना वह हमास को हमलों से बचने के लिए कोई राहत नहीं देगा। वैसे भी गाजा पट्टी में अब आवश्यक वस्तुओं की कोई कमी नहीं है। प्रस्ताव में कहा गया कि इजराइली सेना की घेराबंदी और हमलों के चलते गाजा पट्टी के 23 लाख लोगों को आवश्यक वस्तुओं की किल्लत झेलनी पड़ रही है। इसलिए सीमित समय का युद्धविराम लागू कर आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति और वितरण सुनिश्चित कराने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। इस प्रस्ताव के समर्थन में 15 सदस्य देशों में से 12 ने वोट दिया। विरोध में कोई वोट नहीं पड़ा। अमेरिका, रूस और ब्रिटेन ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। अमेरिका और ब्रिटेन ने मतदान का बहिष्कार किया। रूस ने मनवीय आधार पर स्थायी युद्धविराम की मांग का विरोध किए जाने के कारण मतदान में हिस्सा नहीं लिया। पारित प्रस्ताव में बंधकों की अविलंब और बिना शर्त रिहाई का जिक्र नहीं किया गया है।

ऑस्ट्रेलिया में सिख रेस्तरां मालिक को नस्ली तौर पर निशाना बनाया गया

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले एक सिख व्यक्ति ने आरोप लगाया है कि उन्हें हाल के दिनों में कई बार नस्ली टिप्पणी करने, उनकी कार पर कुत्ते का मल फेंकने के साथ ''स्वदेश लौटने'' के लिए कहा गया। रिपोर्ट के अनुसार, तस्मानिया के होबार्ट में एक

रेस्तरां चलाने वाले जरनैल सिंह ने कहा कि उन्हें पिछले दो या तीन महीनों से लगातार निशाना बनाया जा रहा है। सिंह के हवाले से खबर में कहा गया, मेरे साथ ऐसा पहले कभी नहीं हुआ और पिछले दो-तीन महीनों से यह लगातार हो रहा है। सिंह ने कहा कि जब बात आपके घर की आती है और विशेष रूप से जब आपका नाम लेकर (निशाना बनाया जा रहा हो) तो यह बहुत बड़ा मानसिक तनाव हो जाता है। कुछ तो किया जाना चाहिए।

सिंह ने कहा कि सबसे पहली उनके घर के बाहर, उनकी कार के दरवाजे के हैंडल पर लगातार चार या पांच दिन तक कुत्ते का मल डाल दिया गया। खबर के अनुसार उन्होंने रास्ते में दीवारों पर नस्लवादी चित्र देखे, जिसमें उनसे कहा गया था, स्वदेश जाओ, भारतीय। खबर के अनुसार सिंह ने पुलिस को मामले की सूचना दी लेकिन वीडियो सबूत के बिना, यह पता लगाने के लिए बहुत कम प्रयास किये गये कि इसके लिए कौन जिम्मेदार है। सिंह लगभग 15 वर्ष तक ऑस्ट्रेलिया में रहे हैं, जिनमें से 10 साल तस्मानिया में रहे हैं। तस्मानिया पुलिस कमांडर जेसन एल्मर ने एक बयान में कहा कि घटनाओं की सूचना पुलिस को दी गई है और जांच की जा रही है।

अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने सीरिया पर नागरिकों पर यातना रोकने के लिए आदेश

द हेग। संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष अदालत ने सीरिया की सरकार को नागरिकों पर यातना को रोकने के लिए आदेश दिया। यह आदेश उस मामले में दिया गया जिसमें नीदरलैंड और कनाडा ने सीरिया पर अपने ही नागरिकों पर वर्षों तक अत्याचार करने का आरोप लगाया था। अंतरिम आदेश का उद्देश्य ऐसे समय में सीरिया में संभावित पीड़ितों की रक्षा करना है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के माध्यम से सीरिया पर यातना समझौते का उल्लंघन करने का आरोप को रोकने की प्रक्रिया में कई साल लग सकते हैं। न्यायालय के प्रमुख जोन ई. डोनोग्यू ने सीरिया से आह्वान किया,'यातना और अन्य क्रूरता, अमानवीय, अपमानजनक व्यवहार एवं सजा को रोकने के लिए अपनी शक्ति के भीतर सभी उपाय किए जाएं। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि उसके अधिकारी, संगठन या व्यक्ति लिए गए फैसलों के नियंत्रण, निर्देशों तथा प्रभाव के अधीन हो जिससे वह किसी को प्रताड़ित न कर सकें।

कनाडा और नीदरलैंड ने पिछले महीने न्यायालय से यातना पर प्रतिबंध लगाने का आदेश देने का अनुरोध किया था। सीरिया ने अक्टूबर में सुनवाई का बहिष्कार किया था और यह भी स्पष्ट नहीं है कि वह अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के आदेश पर कैसी प्रतिक्रिया देगा।

बांग्लादेश में आम चुनाव रद्द करने की मांग को लेकर विपक्ष का देशव्यापी हड़ताल

ढाका। बांग्लादेश में आम चुनाव को रद्द करने की मांग को लेकर विपक्षी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने गुरुवार को 48 घंटे की राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आह्वान किया। इसके साथ विपक्ष ने यह भी दावा किया कि इस चुनाव का उद्देश्य प्रधानमंत्री शेख हसीना की आवामी लीग को लगातार चौथे कार्यकाल के लिए सत्ता में लाना है। बांग्लादेश के मुख्य चुनाव आयुक्त काजी हबीबुल अव्वल के बहुप्रतीक्षित आम चुनाव 7 जनवरी की घोषणा के बाद विपक्षी दल का यह बयान आया है। बीएनपी के वरिष्ठ संयुक्त महासचिव रुहुल कबीर रिजवी ने रविवार सुबह 6 बजे से दो दिवसीय आम हड़ताल का आह्वान किया।

पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के नेतृत्व वाली पार्टी ने चुनाव कार्यक्रम की घोषणा को खारिज किया और चुनाव प्रक्रिया जारी रखने के सरकार के फैसले के खिलाफ विरोध जारी रखने का संकल्प लिया है। बीएनपी के वरिष्ठ

नेता अब्दुल मोईन खान ने कहा, बांग्लादेश में हर कोई इस चुनाव के नतीजे को जानता है।

धुर दक्षिणपंथी जमात-ए-इस्लामी सहित बीएनपी के कई सहयोगियों ने हड़ताल के आह्वान को समर्थन दिया, जिससे कानून प्रवर्तन एजेंसियों को देशव्यापी सुरक्षा चौकसी बढ़ाने के लिए मजबूर होना पड़ा और राजमार्गों और प्रमुख शहरों की सुरक्षा के लिए अर्धसैनिक बलों को भी बुलाना पड़ा। विपक्ष ने 28 अक्टूबर से रुक-रुक कर राष्ट्रव्यापी परिवहन नाकाबंदी जारी रखी जिससे आपूर्ति प्रणाली बाधित हुई। पिछले दो सप्ताह में राजनीतिक हिंसा में एक पुलिसकर्मी समेत कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई है। विरोध प्रदर्शन के दौरान 200 से अधिक लोग घायल हो गए और दर्जनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए या उनमें आग लगा दी गई। देशव्यापी कार्रवाई में बीएनपी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर समेत करीब 8,000 विपक्षी नेताओं और कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है।

इजराइल ने गाजा के दक्षिण में व्यापक अभियान चलाने का दिया संकेत, अलशिफा अस्पताल में तलाश जारी

गाजा/खान यूनिस। हमास के खिलाफ जारी कार्रवाई के बीच इजराइल ने अभियान का विस्तार करते हुए गाजा के दक्षिण भाग में व्यापक अभियान चलाने के संकेत दिए हैं। इस संबंध में इजराइली सैन्य बल ने दक्षिणी गाजा के कुछ हिस्सों से भागने की चेतावनी देते हुए पर्चे गिराए हैं। इसकी जानकारी स्थानीय निवासियों ने गुरुवार को दी। हालांकि बमबारी और जमीनी हमले से बचने के लिए अधिकांश आबादी यहां से पलायन कर गई है। वहीं, इजराइली सैनिकों ने उत्तर में शिफा अस्पताल में तलाशी जारी रखी जो बुधवार तड़के शुरू हुई थी। इजराइली सैनिकों ने कुछ बंदूकें दिखाते हुए कहा कि ये एक इमारत में मिलीं। हालांकि उन्होंने अभी तक हमास के केंद्रीय कमान सेंटर होने का कोई सबूत जारी नहीं किया है। वहीं हमास और गाजा के सबसे बड़े अस्पताल के कर्मचारियों ने इन आरोपों से इनकार किया है।

इजराइल ने दक्षिण में अभियान का विस्तार किया है जहां वह पहले से ही प्रतिदिन हवाई हमले करता रहा है। घिरे हुए क्षेत्र में पहले से ही गंभीर मानवीय संकट का खतरा है। गाजा में 15 लाख से अधिक लोग विस्थापित हो गए हैं, जिनमें से अधिकांश दक्षिण की ओर भाग गए हैं, जहां भोजन, पानी और बिजली की कमी बढ़ती जा रही है। वहीं यहां से पलायन करने वाले कहां जाएं इस बात का संकट बरकरार है क्योंकि मिस्र ने बड़ी संख्या में शरणार्थियों को लेने से इनकार कर दिया है। फलस्तीनी दूरसंचार प्रदाता के अनुसार यह क्षेत्र तब फिर से बाहरी दुनिया से कट गया, जब ईंधन की कमी के कारण सभी संचार सेवाएं बंद हो गई। युद्ध अब छठे सप्ताह में है। इसकी शुरुआत 7 अक्टूबर को दक्षिणी इजराइल में हमास के व्यापक हमले के कारण शुरू हुआ था, जिसमें आतंकवादियों ने 1,200 से अधिक लोगों को मार डाला था, जिनमें ज्यादातर नागरिक थे। साथ ही आतंकवादियों ने लगभग 240 पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को बंधक बना लिया था।

फलस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, हमलों में 11,200 से अधिक फलस्तीनी मारे गए हैं, जिनमें से दो-तिहाई महिलाएं और नाबालिग हैं। अन्य 2,700 लोगों के लापता होने की सूचना है, जिनमें से अधिकांश के मलबे में दबे होने की आशंका है।

बंदूकधारियों ने बृहस्पतिवार को यरुशलम के कब्जे वाले पश्चिमी तट में इजराइली बस्तियों से जोड़ने वाली मुख्य सड़क पर एक जांच चौकी पर चार लोगों को गोली मारकर घायल कर दिया। पुलिस के अनुसार, इस घटना में तीन हमलावर मारे गए। पुलिस ने बताया कि हमलावरों के पास असॉल्ट राइफल, हैंडगन और कुल्हाड़ी थीं और वे यरुशलम में बड़े पैमाने पर हमले की तैयारी कर रहे थे। इजराइली सैनिकों ने बुधवार को गाजा के सबसे बड़े अस्पताल में धावा बोला और उसके अंदर और नीचे हमास सदस्यों की तलाश की। उक्त अस्पताल में नवजात शिशुओं और सैकड़ों अन्य रोगियों को बिजली और अन्य बुनियादी आवश्यकताओं के बिना कई दिनों तक परेशानी उठानी पड़ी।

गाजा में हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सैनिकों ने बृहस्पतिवार को अस्पताल के भूमिगत तलों की तलाशी ली और इसके उपकरण चलाने के लिए जिम्मेदार तकनीशियनों को हिरासत में ले लिया। इजराइली सेना ने शिफा के अंदर का एक वीडियो जारी किया जिसमें तीन बैग दिखाए गए। इनके बारे में कहा गया कि इन्हें एमआरआई लैब के आसपास छिपाया गया था तथा प्रत्येक में एक असॉल्ट राइफल, ग्रेनेड और हमास की वर्दी थी। सेना ने कहा कि साथ ही एक कोठरी थी जिसमें कई असॉल्ट राइफलें थीं। हमास और गाजा के स्वास्थ्य अधिकारी इस बात से इनकार करते हैं कि आतंकवादी शिफा का इस्तेमाल करते हैं। यह एक ऐसा अस्पताल है जिसमें लगभग 1,500 लोग कार्यरत हैं और 500 से अधिक बिस्तर हैं। अस्पताल के अंदर गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी मुनीर अल-बोरश ने कहा कि सैनिकों ने बेसमेंट और अन्य इमारतों में तोड़फोड़ की, और मरीजों, कर्मचारियों और आश्रय लेने वाले लोगों से पूछताछ की और उनके चेहरे स्कैन किए। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि शनिवार को शिफा के आपातकालीन जनरेटर का ईंधन खत्म होने के बाद से तीन शिशुओं सहित 40 मरीजों की मौत हो गई है। अन्य 36 शिशुओं की स्थिति के बारे में कोई जानकारी नहीं है, जिनके बारे में मंत्रालय ने पहले कहा था कि उनकी मृत्यु का खतरा है।

पाकिस्तानः बलूचिस्तान प्रांत में हथियारबंद लोगों ने तीन पुलिसकर्मियों को बनाया बंधक

क्वेटा। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में एक सुरक्षा चौकी पर हमला करने के बाद भारी हथियारों से लैस लोगों ने तीन पुलिसकर्मियों के हथियार छीनकर उन्हें बंधक बना लिया। यह घटना तुरंत में पुलिस चौकी पर हुई। स्थानीय अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार हथियारबंद लोग सिंगानी सरमोमिन पुलिस चौकी पर पहुंचे और नईम, नदीम और समीर नाम के पुलिसकर्मियों को बंदूक के बल पर कब्जे में ले लिया। हमलावरों ने पुलिसकर्मियों से दो सब-मशीन गन और मैगजीन भी छीन लीं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और सुरक्षाकर्मी घटनास्थल पर पहुंचे और तलाशी अभियान चलाया। बुधवार आधी रात तक किसी की गिरफ्तारी की सूचना नहीं थी। हालांकि, अधिकारियों ने कहा कि क्वेटा में सुरक्षा बलों ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया, जो बुधवार देर शाम प्रवेश चौकी पर रुके बिना और अपनी पहचान साबित किए बिना जबरन छावनी क्षेत्र में घुस गया। उन्होंने कहा कि एस्सा खान के रूप में पहचाने गए संदिग्ध ने एक प्रवेश बिंदु पर सुरक्षा चौकी पर पहचान के लिए रुके बिना क्वेटा छावनी क्षेत्र में एक सुजुकी बोलान (प्लेट नंबर बीएलबी-387) चलाई। अधिकारियों ने कहा कि इसके तुरंत बाद सुरक्षा को हाई अलर्ट पर रखा गया और छावनी के सभी प्रवेश बिंदुओं को बंद कर दिया गया।

सुरक्षा बलों ने वाहन का पीछा कर उसे गुलिस्तां रोड इलाके में एक डेयरी फार्म के पास रोका और चालक को गिरफ्तार कर लिया। बाद में उसे जांच के लिए अधिकारियों को सौंप दिया गया। सेना की मीडिया विंग ने बताया कि इससे पहले मंगलवार-बुधवार को टैंक जिले के किरीं मचान खेल इलाके में एक खुफिया-आधारित ऑपरेशन में सात आतंकवादी मारे गए थे।आईएसपीआर ने कहा कि इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक गुप्त सूचना पर ऑपरेशन चलाया गया था, उन्होंने कहा कि आतंकवादियों के ठिकानों का भंडाफोड़ किया गया और सैनिकों और आतंकवादियों के बीच गोलीबारी में सात आतंकवादी मारे गए। मृतकों के पास से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया।

मास्टरशेफ ऑस्ट्रेलिया के प्रतियोगी पॉल डगलस को 24 साल की जेल, 11 बच्चों का किया यौन उत्पीड़न

सिडनी। मशहूर कुकिंग शो मास्टरशेफ ऑस्ट्रेलिया के प्रतियोगी पॉल डगलस को बच्चों के यौन उत्पीड़न का दोषी पाया गया है। अदालत ने पॉल डगलस को 24 साल जेल की सजा सुनाई है। पॉल पर आरोप है कि उन्होंने 10 साल से भी ज्यादा समय तक 11 बच्चों के साथ 43 बार यौन उत्पीड़न किया। सिडनी डाउनिंग सेंटर डिस्ट्रिक्ट की जज साराह हगेट ने गुरुवार को पॉल को सजा सुनाई।

11 बच्चों से यौन उत्पीड़न का दोषी

पॉल को साल 2019 में गिरफ्तार किया गया था और गिरफ्तारी के बाद चार साल तक मुकदमे की सुनवाई चली। पॉल पर आरोप है कि सिडनी साउथवेस्ट में स्विमिंग कोच रहते हुए पॉल ने यह अपराध किए। जांच में पता चला कि पॉल ने 1996 से लेकर 2009 तक

बच्चों का यौन उत्पीड़न किया। सजा सुनाते हुए जज ने कहा कि आरोपी ने स्वीमिंग कोच रहते हुए बच्चों के बीच ऐसा माहौल बनाया, जिसमें वह बच्चों से खुलकर यौन संबंधी बातें और मजाक करता था। साथ ही उसने बच्चों के माता-पिता को भी अपनी बातों से ऐसे फंसाया कि 10 साल से ज्यादा समय तक उसका अपराध छिपा रहा। पॉल पर 10 साल तक के बच्चों के यौन उत्पीड़न का आरोप साबित हुआ है।

मास्टरशेफ ऑस्ट्रेलिया में प्रतियोगी रह चुका है पॉल

बता दें कि पॉल डगलस मास्टरशेफ ऑस्ट्रेलिया में भी शिरकत कर चुका है और शो के अंतिम चरण तक पहुंचा था। 48 वर्षीय डगलस को आरोप लगने के बाद साल 2019 में उसके सिलवेनिया स्थित घर से गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद न्यू साउथ वेल्स यूनिवर्सिटी से उसकी नौकरी चली गई। पॉल को अब जून 2047 तक जेल में रहना पड़ेगा और उसके बाद ही पॉल को जमानत मिल सकेगी।

कोयला कंपनी की इमारत में आग लगने से 26 की मौत, 38 घायल

बीजिंग। उत्तरी चीन के शांक्सी प्रांत में एक इमारत में आग लगने से 26 लोगों की मौत हो गई और 38 लोग घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट्स में स्थानीय अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि लुलियांग शहर में योंगजू कोयला कंपनी की चार मंजिला इमारत में स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 6.50 बजे आग लग गई। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार 26 लोगों की मौत और 38 लोगों के घायल होने की पुष्टि हुई है। इससे पहले, ब्रॉडकास्टर सीसीटीवी ने कहा था कि घटनास्थल से 63 लोगों को निकाला गया है, जिनमें से 51 को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया कि अस्पताल ले जाए गए लोगों में से

किसी की मृत्यु हुई थी या नहीं। सीसीटीवी ने बताया कि आग पर नियंत्रण पा लिया गया और इसके कारणों की अब भी जांच की जा रही है। बचाव स्थल कमांड का हवाला देते हुए यह भी कहा गया है कि पुलिस ने अज्ञात संख्या में लोगों को पकड़ रखा है और आग के संबंध में उनकी जांच चल रही है। उधर, एशिया-प्रशांत नेताओं के शिखर सम्मेलन के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका में चीनी नेता शी जिनपिंग ने कहा कि आग से एक बेहद गहरा सबक सीखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि स्थानीय सरकारों को प्रमुख उद्योगों में छिपे जोखिमों की गहन जांच करनी चाहिए, आपातकालीन योजनाओं और रोकथाम उपायों में सुधार करना चाहिए। शी जिनपिंग ने घायलों के इलाज के लिए सभी प्रयास करने के साथ-साथ यह जांच करने का भी आह्वान किया कि आग के लिए कौन जिम्मेदार था।

नेतन्याहू का छलका दर्द, गाजा में लोगों की मौत को कम करने के प्रयास में सफल नहीं रहा इस्राइल

वाशिंगटन। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गुरुवार को कहा कि गाजा में हमास के खिलाफ लड़ाई के दौरान उनका देश नागरिकों को नुकसान से बचाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है। यहां तक कि भागने की चेतावनी देने वाले पर्चे तक बंटवाए गए, लेकिन हताहतों की संख्या को कम करने के प्रयास सफल नहीं रहे।

सात अक्तूबर को किए गए हमले का बदला

एक अमेरिकी न्यूज चैनल ने नेतन्याहू से पूछा था कि क्या गाजा के सत्तारूढ़ हमास आतंकवादियों द्वारा सात अक्तूबर को किए गए हमले का बदला लेने के लिए इस्राइल द्वारा हजारों फलस्तीनियों की हत्या से नफरत की एक नई पीढ़ी को बढ़ावा मिलेगा।

नागरिकों की मौत एक त्रासदी

नेतन्याहू ने कहा, 'किसी भी नागरिक की मौत एक त्रासदी है। हम नागरिकों को नुकसान से बाहर रखने की कोशिश कर रहे हैं। हम नागरिकों को रास्ते से बाहर निकालने के लिए सब कुछ कर रहे हैं, जबकि हमास उन्हें नुकसान पहुंचाने के लिए सब कुछ कर रहा है। इसलिए हम पर्चे भेजते हैं, उनको फोन करके कहते है कि जगह छोड़ दो और कई सारे लोग चले भी गए।'

सैन्य अभियान का लक्ष्य हमास को नष्ट करना

इस्राइल का लगातार कहना है कि उसके सैन्य अभियान का लक्ष्य हमास को नष्ट करना है। इसी संदर्भ में पीएम ने कहा, 'दूसरी बात जो मैं कह सकता हूं वह यह है कि हम कम से कम नागरिक को नुकसान पहुंचाकर काम को पूरा करने की कोशिश करेंगे। हम कम से कम नागरिकों को हताहत करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन दुर्भाग्य से, हम सफल नहीं हुए हैं।'

हमास की गलती लोगों पर भारी

हमास के हमले के जवाब में इस्राइल के हफ्तों लंबे सैन्य अभियान का खामियाजा फलस्तीनी नागरिकों को भुगतना पड़ा है, जिसके बारे में इस्राइल का कहना है कि इसमें 1,200 लोग मारे गए, जिनमें ज्यादातर नागरिक थे।इस्राइल के अनुसार हमास ने विभिन्न देशों के करीब 240 लोगों को बंधक बना लिया है।

अमेजन डिलीवरी ट्रक लुटता रहा, महिला ड्राइवर चुपचाप खड़े देखती रही, वीडियो हो रहा वायरल

बीजिंग। अमेरिका को दुनिया की महाशक्ति माना जाता है लेकिन वहां भी ऐसी घटनाएं होती हैं, जो अमेरिका की छवि को शर्मसार कर देती है। ऐसी ही घटना अमेरिका अटलांटा में घटी, जब कुछ लोग अचानक से अमेजन के एक डिलीवरी ट्रक में घुसकर सामान लूटने लगे। वहीं डिलीवरी की महिला ड्राइवर खड़े होकर सामान को लुटते हुए देखती रही। खबर के अनुसार, अटलांटा में एक महिला ड्राइवर डिलीवरी ट्रक लेकर फेयरबर्न मेज इलाके में सामान की डिलीवरी करने गई थी।

महिला जब पैकेज लेकर उसे ग्राहक के घर डिलीवर कर वापस अपने ट्रक की तरफ लौट रही थी तो उसने देखा कि चार युवक उसके ट्रक से सामान को

लूट कर रहे हैं। महिला ड्राइवर ने भी उन चोरों को देखकर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी और चुपचाप किनारे खड़े होकर चोरों को सामान लूटते हुए देखती रही। वहीं चोरों ने भी तसल्ली से सामान लूटा और लूटकर फरार हो गए।

इस पूरी घटना को पड़ोस के एक घर में रह रहे लोगों ने रिकॉर्ड कर लिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। महिला ने घटना की शिकायत पुलिस से की है और पुलिस मामले की जांच कर रही है। हालांकि ये पता नहीं चल सका है कि लूटा गया सामान क्या था। बता दें कि हाल के समय में अमेरिका में ऐसी कई घटनाएं सामने आई हैं, जहां लोगों ने डिलीवरी ट्रक को लूट लिया।

म्यांमार-चीन सीमा क्षेत्र में 5.7 तीव्रता का भूकंप

बर्लिन। म्यांमार-चीन सीमा क्षेत्र में सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.7 रही। यह जानकारी मीडिया रिपोर्ट्स में दी गई है। मीडिया रिपोर्ट्स में जर्मन

रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज (जीएफजेड) के हवाले से म्यांमार-चीन सीमा क्षेत्र में शक्तिशाली भूकंप के झटके महसूस होने की जानकारी साझा की गई है। जीएफजेड ने कहा है कि भूकंप 10 किलोमीटर (6.21 मील) की गहराई पर था।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में गाजा में संक्षिप्त युद्धविराम का प्रस्ताव पारित,इजराइल का मानने से इनकार

संयुक्त राष्ट्र। हमास-इजराइल युद्ध पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने पहली बार मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए संक्षिप्त युद्धविराम का प्रस्ताव पारित किया। इजराइल ने इसे मानने से इनकार कर दिया है। इजराइल ने कहा है कि बंधकों की रिहाई के बिना वह हमास को हमलों से बचने के लिए कोई राहत नहीं देगा। वैसे भी गाजा पट्टी में अब आवश्यक वस्तुओं की कोई कमी नहीं है। प्रस्ताव में कहा गया कि इजराइली सेना की घेराबंदी और हमलों के चलते गाजा पट्टी के 23 लाख लोगों को आवश्यक वस्तुओं की किल्लत झेलनी पड़ रही है। इसलिए सीमित समय का युद्धविराम लागू कर आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति और वितरण सुनिश्चित कराने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। इस प्रस्ताव के समर्थन में 15 सदस्य देशों में से 12 ने वोट दिया। विरोध में कोई वोट नहीं पड़ा। अमेरिका, रूस और ब्रिटेन ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। अमेरिका और ब्रिटेन ने मतदान का बहिष्कार किया। रूस ने मनवीय आधार पर स्थायी युद्धविराम की मांग का विरोध किए जाने के कारण मतदान में हिस्सा नहीं लिया। पारित प्रस्ताव में बंधकों की अविलंब और बिना शर्त रिहाई का जिक्र नहीं किया गया है।

ऑस्ट्रेलिया में सिख रेस्तरां मालिक को नस्ली तौर पर निशाना बनाया गया

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले एक सिख व्यक्ति ने आरोप लगाया है कि उन्हें हाल के दिनों में कई बार नस्ली टिप्पणी करने, उनकी कार पर कुत्ते का मल फेंकने के साथ ''स्वदेश लौटने'' के लिए कहा गया। रिपोर्ट के अनुसार, तस्मानिया के होबार्ट में एक

रेस्तरां चलाने वाले जरनैल सिंह ने कहा कि उन्हें पिछले दो या तीन महीनों से लगातार निशाना बनाया जा रहा है। सिंह के हवाले से खबर में कहा गया, मेरे साथ ऐसा पहले कभी नहीं हुआ और पिछले दो-तीन महीनों से यह लगातार हो रहा है। सिंह ने कहा कि जब बात आपके घर की आती है और विशेष रूप से जब आपका नाम लेकर (निशाना बनाया जा रहा हो) तो यह बहुत बड़ा मानसिक तनाव हो जाता है। कुछ तो किया जाना चाहिए।

सिंह ने कहा कि सबसे पहली उनके घर के बाहर, उनकी कार के दरवाजे के हैंडल पर लगातार चार या पांच दिन तक कुत्ते का मल डाल दिया गया। खबर के अनुसार उन्होंने रास्ते में दीवारों पर नस्लवादी चित्र देखे, जिसमें उनसे कहा गया था, स्वदेश जाओ, भारतीय। खबर के अनुसार सिंह ने पुलिस को मामले की सूचना दी लेकिन वीडियो सबूत के बिना, यह पता लगाने के लिए बहुत कम प्रयास किये गये कि इसके लिए कौन जिम्मेदार है। सिंह लगभग 15 वर्ष तक ऑस्ट्रेलिया में रहे हैं, जिनमें से 10 साल तस्मानिया में रहे हैं। तस्मानिया पुलिस कमांडर जेसन एल्मर ने एक बयान में कहा कि घटनाओं की सूचना पुलिस को दी गई है और जांच की जा रही है।

अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने सीरिया पर नागरिकों पर यातना रोकने के दिए आदेश

द हेग। संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष अदालत ने सीरिया की सरकार को नागरिकों पर यातना को रोकने के लिए आदेश दिया। यह आदेश उस मामले में दिया गया जिसमें नीदरलैंड और कनाडा ने सीरिया पर अपने ही नागरिकों पर वर्षों तक अत्याचार करने का आरोप लगाया था। अंतरिम आदेश का उद्देश्य ऐसे समय में सीरिया में संभावित पीड़ितों की रक्षा करना है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के माध्यम से सीरिया पर यातना समझौते का उल्लंघन करने का आरोप को रोकने की प्रक्रिया में कई साल लग सकते हैं। न्यायालय के प्रमुख जोन ई. डोनोग्यू ने सीरिया से आह्वान किया,'यातना और अन्य क्रूरता, अमानवीय, अपमानजनक व्यवहार एवं सजा को रोकने के लिए अपनी शक्ति के भीतर सभी उपाय किए जाएं। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए की उसके अधिकारी, संगठन या व्यक्ति लिए गए फैसलों के नियंत्रण, निर्देशों तथा प्रभाव के अधीन हो जिससे वह किसी को प्रताड़ित न कर सकें।

कनाडा और नीदरलैंड ने पिछले महीने न्यायालय से यातना पर प्रतिबंध लगाने का आदेश देने का अनुरोध किया था। सीरिया ने अक्टूबर में सुनवाई का बहिष्कार किया था और यह भी स्पष्ट नहीं है कि वह अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के आदेश पर कैसी प्रतिक्रिया देगा।

बांग्लादेश में आम चुनाव रद्द करने की मांग को लेकर विपक्ष का देशव्यापी हड़ताल

ढाका। बांग्लादेश में आम चुनाव को रद्द करने की मांग को लेकर विपक्षी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने गुरुवार को 48 घंटे की राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आह्वान किया। इसके साथ विपक्ष ने यह भी दावा किया कि इस चुनाव का उद्देश्य प्रधानमंत्री शेख हसीना की आवामी लीग को लगातार चौथे कार्यकाल के लिए सत्ता में लाना है। बांग्लादेश के मुख्य चुनाव आयुक्त काजी हबीबुल अवल के बहुप्रतीक्षित आम चुनाव 7 जनवरी की घोषणा के बाद विपक्षी दल का यह बयान आया है। बीएनपी के वरिष्ठ संयुक्त महासचिव रुहुल कबीर रिजवी ने रविवार सुबह 6 बजे से दो दिवसीय आम हड़ताल का आह्वान किया।

पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के नेतृत्व वाली पार्टी ने चुनाव कार्यक्रम की घोषणा को खारिज किया और चुनाव प्रक्रिया जारी रखने के सरकार के फैसले के खिलाफ विरोध जारी रखने का संकल्प लिया है। बीएनपी के वरिष्ठ

नेता अब्दुल मोईन खान ने कहा, बांग्लादेश में हर कोई इस चुनाव के नतीजे को जानता है।

धुर दक्षिणपंथी जमात-ए-इस्लामी सहित बीएनपी के कई सहयोगियों ने हड़ताल के आह्वान को समर्थन दिया, जिससे कानून प्रवर्तन एजेंसियों को देशव्यापी सुरक्षा चौकसी बढ़ाने के लिए मजबूर होना पड़ा और राजमार्गों और प्रमुख शहरों की सुरक्षा के लिए अर्धसैनिक बलों को भी बुलाना पड़ा। विपक्ष ने 28 अक्टूबर से रुक-रुक कर राष्ट्रव्यापी परिवहन नाकाबंदी जारी रखी जिससे आपूर्ति प्रणाली बाधित हुई। पिछले दो सप्ताह में राजनीतिक हिंसा में एक पुलिसकर्मी समेत कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई है। विरोध प्रदर्शन के दौरान 200 से अधिक लोग घायल हो गए और दर्जनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए या उनमें आग लगा दी गई। देशव्यापी कार्रवाई में बीएनपी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर समेत करीब 8,000 विपक्षी नेताओं और कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है।

इजराइल ने गाजा के दक्षिण में व्यापक अभियान चलाने का दिया संकेत, अलशिफा अस्पताल में तलाश जारी

गाजा/खान यूनिस। हमास के खिलाफ जारी कार्रवाई के बीच इजराइल ने अभियान का विस्तार करते हुए गाजा के दक्षिण भाग में व्यापक अभियान चलाने के संकेत दिए हैं। इस संबंध में इजराइली सैन्य बल ने दक्षिणी गाजा के कुछ हिस्सों से भागने की चेतावनी देते हुए पर्चे गिराए हैं। इसकी जानकारी स्थानीय निवासियों ने गुरुवार को दी। हालांकि बमबारी और जमीनी हमले से बचने के लिए अधिकांश आबादी यहां से पलायन कर गई है। वहीं, इजराइली सैनिकों ने उत्तर में शिफा अस्पताल में तलाशी जारी रखी जो बुधवार तड़के शुरू हुई थी। इजराइली सैनिकों ने कुछ बंदूकें दिखाते हुए कहा कि ये एक इमारत में मिलीं। हालांकि उन्होंने अभी तक हमास के केंद्रीय कमान सेंटर होने का कोई सबूत जारी नहीं किया है। वहीं हमास और गाजा के सबसे बड़े अस्पताल के कर्मचारियों ने इन आरोपों से इनकार किया है।

इजराइल ने दक्षिण में अभियान का विस्तार किया है जहां वह पहले से ही प्रतिदिन हवाई हमले करता रहा है। घिरे हुए क्षेत्र में पहले से ही गंभीर मानवीय संकट का खतरा है। गाजा में 15 लाख से अधिक लोग विस्थापित हो गए हैं, जिनमें से अधिकांश दक्षिण की ओर भाग गए हैं, जहां भोजन, पानी और बिजली की कमी बढ़ती जा रही है। वहीं यहां से पलायन करने वाले कहां जाएं इस बात का संकट बरकरार है क्योंकि मिस्र ने बड़ी संख्या में शरणार्थियों को लेने से इनकार कर दिया है। फलस्तीनी दूरसंचार प्रदाता के अनुसार यह क्षेत्र तब फिर से बाहरी दुनिया से कट गया, जब ईंधन की कमी के कारण सभी संचार सेवाएं बंद हो गईं। युद्ध अब छठे सप्ताह में है। इसकी शुरुआत 7 अक्टूबर को दक्षिणी इजराइल में हमास के व्यापक हमले के कारण शुरू हुआ था, जिसमें आतंकवादियों ने 1,200 से अधिक लोगों को मार डाला था, जिनमें ज्यादातर नागरिक थे। साथ ही आतंकवादियों ने लगभग 240 पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को बंधक बना लिया था।

फलस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, हमलों में 11,200 से अधिक फलस्तीनी मारे गए हैं, जिनमें से दो-तिहाई महिलाएं और नाबालिग हैं। अन्य 2,700 लोगों के लापता होने की सूचना है, जिनमें से अधिकांश के मलबे में दबे होने की आशंका है।

बंदूकधारियों ने बृहस्पतिवार को यरूशलम के कब्जे वाले पश्चिमी तट में इजराइली बस्तियों से जोड़ने वाली मुख्य सड़क पर एक जांच चौकी पर चार लोगों को गोली मारकर घायल कर दिया। पुलिस के अनुसार, इस घटना में तीन हमलावर मारे गए। पुलिस ने बताया कि हमलावरों के पास असॉल्ट राइफल, हैंडगन और कुल्हाड़ी थीं और वे यरूशलम में बड़े पैमाने पर हमले की तैयारी कर रहे थे। इजराइली सैनिकों ने बुधवार को गाजा के सबसे बड़े अस्पताल में धावा बोला और उसके अंदर और नीचे हमास सदस्यों की तलाश की। उक्त अस्पताल में नवजात शिशुओं और सैकड़ों अन्य रोगियों को बिजली और अन्य बुनियादी आवश्यकताओं के बिना कई दिनों तक परेशानी उठानी पड़ी।

गाजा में हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सैनिकों ने बृहस्पतिवार को अस्पताल के भूमिगत तलों की तलाशी ली और इसके उपकरण चलाने के लिए जिम्मेदार तकनीशियनों को हिरासत में ले लिया। इजराइली सेना ने शिफा के अंदर का एक वीडियो जारी किया जिसमें तीन बैग दिखाए गए। इनके बारे में कहा गया कि इन्हें एमआरआई लैब के आसपास छिपाया गया था तथा प्रत्येक में एक असॉल्ट राइफल, ग्रेनेड और हमास की वर्दी थी। सेना ने कहा कि साथ ही एक कोठरी थी जिसमें कई असॉल्ट राइफलें थीं। हमास और गाजा के स्वास्थ्य अधिकारी इस बात से इनकार करते हैं कि आतंकवादी शिफा का इस्तेमाल करते हैं। यह एक ऐसा अस्पताल है जिसमें लगभग 1,500 लोग कार्यरत हैं और 500 से अधिक बिस्तर हैं। अस्पताल के अंदर गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी मुनीर अल-बोरश ने कहा कि सैनिकों ने बेसमेंट और अन्य इमारतों में तोड़फोड़ की, और मरीजों, कर्मचारियों और आश्रय लेने वाले लोगों से पूछताछ की और उनके चेहरे स्कैन किये। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि शनिवार को शिफा के आपातकालीन जनरेटर का ईंधन खत्म होने के बाद से तीन शिशुओं सहित 40 मरीजों की मौत हो गई है। अन्य 36 शिशुओं की स्थिति के बारे में कोई जानकारी नहीं है, जिनके बारे में मंत्रालय ने पहले कहा था कि उनकी मृत्यु का खतरा है।

पाकिस्तानः बलूचिस्तान प्रांत में हथियारबंद लोगों ने तीन पुलिसकर्मियों को बनाया बंधक

क्वेटा। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में एक सुरक्षा चौकी पर हमला करने के बाद भारी हथियारों से लैस लोगों ने तीन पुलिसकर्मियों के हथियार छीनकर उन्हें बंधक बना लिया। यह घटना तुरबत में पुलिस चौकी पर हुई। स्थानीय अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार हथियारबंद लोग सिंगानी सरमोमिन पुलिस चौकी पर पहुंचे और नईम, नदीम और समीर नाम के पुलिसकर्मियों को बंदूक के बल पर कब्जे में ले लिया। हमलावरों ने पुलिसकर्मियों से दो सब-मशीन गन और मैगजीन भी छीन लीं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और सुरक्षाकर्मी घटनास्थल पर पहुंचे और तलाशी अभियान चलाया। बुधवार आधी रात तक किसी की गिरफ्तारी की सूचना नहीं थी। हालांकि, अधिकारियों ने कहा कि क्वेटा में सुरक्षा बलों ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया, जो बुधवार देर शाम प्रवेश चौकी पर रुके बिना और अपनी पहचान साबित किए बिना जबरन छावनी क्षेत्र में घुस गया। उन्होंने कहा कि एस्सा खान के रूप में पहचाने गए संदिग्ध ने एक प्रवेश बिंदु पर सुरक्षा चौकी पर पहचान के लिए रुके बिना क्वेटा छावनी क्षेत्र में एक सुजुकी बोलान (प्लेट नंबर बीएलबी-387) चलाई। अधिकारियों ने कहा कि इसके तुरंत बाद सुरक्षा को हाई अलर्ट पर रखा गया और छावनी के सभी प्रवेश बिंदुओं को बंद कर दिया गया।

सुरक्षा बलों ने वाहन का पीछा कर उसे गुलिस्तां रोड इलाके में एक डेयरी फार्म के पास रोका और चालक को गिरफ्तार कर लिया। बाद में उसे जांच के लिए अधिकारियों को सौंप दिया गया। सेना की मीडिया विंग ने बताया कि इससे पहले मंगलवार-बुधवार को टैंक जिले के किरीं मचान खेल इलाके में एक खुफिया-आधारित ऑपरेशन में सात आतंकवादी मारे गए थे।आईएसपीआर ने कहा कि इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक गुप्त सूचना पर ऑपरेशन चलाया गया था, उन्होंने कहा कि आतंकवादियों के ठिकानों का भंडाफोड़ किया गया और सैनिकों और आतंकवादियों के बीच गोलीबारी में सात आतंकवादी मारे गए। मृतकों के पास से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया।

मास्टरशेफ ऑस्ट्रेलिया के प्रतियोगी पॉल डगलस को 24 साल की जेल, 11 बच्चों का किया यौन उत्पीड़न

सिडनी। मशहूर कुकिंग शो मास्टरशेफ ऑस्ट्रेलिया के प्रतियोगी पॉल डगलस को बच्चों के यौन उत्पीड़न का दोषी पाया गया है। अदालत ने पॉल डगलस को 24 साल जेल की सजा सुनायी है। पॉल पर आरोप है कि उन्होंने 10 साल से भी ज्यादा समय तक 11 बच्चों के साथ 43 बार यौन उत्पीड़न किया। सिडनी डाउनिंग सेंटर डिस्ट्रिक्ट की जज साराह हगेट ने गुरुवार को पॉल को सजा सुनायी।

11 बच्चों से यौन उत्पीड़न का दोषी

पॉल को साल 2019 में गिरफ्तार किया गया था और गिरफ्तारी के बाद चार साल तक मुकदमे की सुनवाई चली। पॉल पर आरोप है कि सिडनी साउथवेस्ट में स्विमिंग कोच रहते हुए पॉल ने यह अपराध किए। जांच में पता चला कि पॉल ने 1996 से लेकर 2009 तक

बच्चों का यौन उत्पीड़न किया। सजा सुनाते हुए जज ने कहा कि आरोपी ने स्वीमिंग कोच रहते हुए बच्चों के बीच ऐसा माहौल बनाया, जिसमें वह बच्चों से खुलकर यौन संबंधी बातें और मजाक करता था। साथ ही उसने बच्चों के माता-पिता को भी अपनी बातों से ऐसे फंसाया कि 10 साल से ज्यादा समय तक उसका अपराध छिपा रहा। पॉल पर 10 साल तक के बच्चों के यौन उत्पीड़न का आरोप साबित हुआ है।

मास्टरशेफ ऑस्ट्रेलिया में प्रतियोगी रह चुका है पॉल

बता दें कि पॉल डगलस मास्टरशेफ ऑस्ट्रेलिया में भी शिरकत कर चुका है और शो के अंतिम चरण तक पहुंचा था। 48 वर्षीय डगलस को आरोप लगने के बाद साल 2019 में उसके सिलवेनिया स्थित घर से गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद न्यू साउथ वेल्स यूनिवर्सिटी से उसकी नौकरी चली गई। पॉल को अब जून 2047 तक जेल में रहना पड़ेगा और उसके बाद ही पॉल को जमानत मिल सकेगी।

कोयला कंपनी की इमारत में आग लगने से 26 की मौत, 38 घायल

बीजिंग। उत्तरी चीन के शांक्सी प्रांत में एक इमारत में आग लगने से 26 लोगों की मौत हो गई और 38 लोग घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट्स में स्थानीय अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि लुलियांग शहर में योंगजू कोयला कंपनी की चार मंजिला इमारत में स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 6.50 बजे आग लग गई। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार 26 लोगों की मौत और 38 लोगों के घायल होने की पुष्टि हुई है। इससे पहले, ब्रॉडकास्टर सीसीटीवी ने कहा था कि घटनास्थल से 63 लोगों को निकाला गया है, जिनमें से 51 को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया कि अस्पताल ले जाए गए लोगों में से

किसी की मृत्यु हुई थी या नहीं। सीसीटीवी ने बताया कि आग पर नियंत्रण पा लिया गया और इसके कारणों की अब भी जांच की जा रही है। बचाव स्थल कमांड का हवाला देते हुए यह भी कहा गया है कि पुलिस ने अज्ञात संख्या में लोगों को पकड़ रखा है और आग के संबंध में उनकी जांच चल रही है। उधर, एशिया-प्रशांत नेताओं के शिखर सम्मेलन के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका में चीनी नेता शी जिनपिंग ने कहा कि आग से एक बेहद गहरा सबक सीखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि स्थानीय सरकारों को प्रमुख उद्योगों में छिपे जोखिमों की गहन जांच करनी चाहिए, आपातकालीन योजनाओं और रोकथाम उपायों में सुधार करना चाहिए। शी जिनपिंग ने घायलों के इलाज के लिए सभी प्रयास करने के साथ-साथ यह जांच करने का भी आह्वान किया कि आग के लिए कौन जिम्मेदार था।

नेतन्याहू का छलका दर्द, गाजा में लोगों की मौत को कम करने के प्रयास में सफल नहीं रहा इस्राइल

वाशिंगटन। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गुरुवार को कहा कि गाजा में हमास के खिलाफ लड़ाई के दौरान उनका देश नागरिकों को नुकसान से बचाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है। यहां तक कि भागने की चेतावनी देने वाले पर्चे तक बंटवाए गए, लेकिन हताहतों की संख्या को कम करने के प्रयास सफल नहीं रहे।

सात अक्तूबर को किए गए हमले का बदला

एक अमेरिकी न्यूज चैनल ने नेतन्याहू से पूछा था कि क्या गाजा के सत्तारूढ़ हमास आतंकवादियों द्वारा सात अक्तूबर को किए गए हमले का बदला लेने के लिए इस्राइल द्वारा हजारों फलस्तीनियों की हत्या से नफरत की एक नई पीढ़ी को बढ़ावा मिलेगा।

नागरिकों की मौत एक त्रासदी

नेतन्याहू ने कहा, 'किसी भी नागरिक की मौत एक त्रासदी है। हम नागरिकों को नुकसान के

रास्ते से बाहर निकालने के लिए सब कुछ कर रहे हैं, जबकि हमास उन्हें नुकसान पहुंचाने के लिए सब कुछ कर रहा है। इसलिए हम पर्चे भेजते हैं, उनको फोन करके कहते है कि जगह छोड़ दो और कई सारे लोग चले भी गए।'

सैन्य अभियान का लक्ष्य हमास को नष्ट करना

इस्राइल का लगातार कहना है कि उसके सैन्य अभियान का लक्ष्य हमास को नष्ट करना है। इसी संदर्भ में पीएम ने कहा, 'दूसरी बात जो मैं कह सकता हूं वह यह है कि हम कम से कम नागरिक को नुकसान पहुंचाकर काम को पूरा करने की कोशिश करेंगे। हम कम से कम नागरिकों को हताहत करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन दुर्भाग्य से, हम सफल नहीं हुए हैं।'

हमास की गलती लोगों पर भारी

हमास के हमले के जवाब में इस्राइल के हफ्तों लंबे सैन्य अभियान का खामियाजा फलस्तीनी नागरिकों को भुगतना पड़ा है, जिसके बारे में इस्राइल का कहना है कि इसमें 1,200 लोग मारे गए, जिनमें ज्यादातर नागरिक थे।इस्राइल के अनुसार हमास ने विभिन्न देशों के करीब 240 लोगों को बंधक बना लिया है।

अमेजन डिलीवरी ट्रक लुटता रहा, महिला ड्राइवर चुपचाप खड़े देखती रही, वीडियो हो रहा वायरल

बीजिंग। अमेरिका को दुनिया की महाशक्ति माना जाता है लेकिन वहां भी ऐसी घटनाएं होती हैं, जो अमेरिका की छवि को शर्मसार कर देती है। ऐसी ही घटना अमेरिका अटलांटा में घटी, जब कुछ लोग अचानक से अमेजन के एक डिलीवरी ट्रक में घुसकर सामान लूटने लगे। वहीं डिलीवरी की महिला ड्राइवर खड़े होकर सामान को लुटते हुए देखती रही। खबर के अनुसार, अटलांटा में एक महिला ड्राइवर डिलीवरी ट्रक लेकर फेयरबर्न मेज इलाके में सामान की डिलीवरी करने गई थी।

महिला जब पैकेज लेकर उसे ग्राहक के घर डिलीवर कर वापस अपने ट्रक की तरफ लौट रही थी तो उसने देखा कि चार युवक उसके ट्रक से सामान की

लूट कर रहे हैं। महिला ड्राइवर ने भी उन चोरों को देखकर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी और चुपचार किनारे खड़े होकर चोरों को सामान लूटते हुए देखती रही। वहीं चोरों ने भी तसल्ली से सामान लूटा और लूटकर फरार हो गए।

इस पूरी घटना को पड़ोस के एक घर में रह रहे लोगों ने रिकॉर्ड कर लिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। महिला ने घटना की शिकायत पुलिस से की है और पुलिस मामले की जांच कर रही है। हालांकि ये पता नहीं चल सका है कि लूटा गया सामान क्या था। बता दें कि हाल के समय में अमेरिका में ऐसी कई घटनाएं सामने आई हैं, जहां लोगों ने डिलीवरी ट्रक को लूट लिया।

वैश्य महासम्मेलन ने आई जी को दिया ज्ञापन

पुष्पांजली टुडे

रीवा। घटना की जानकारी देते हुए वैश्य महासम्मेलन के युवा इकाई के अध्यक्ष बंसी लाल साहू ने बताया कि वैश्य महासम्मेलन सीधी जिला अध्यक्ष दिनेश गुप्ता जी फोन के माध्यम से जानकारी दी कीप्रार्थी कुसुम कली साहू सीधी जो की कृष्ण कुमार साहू की धर्मपत्नी है जिन्हें रेलवे मुआवजे के तौर पर तकरीबन 22 लख रुपए मिले थे जिसे धोखे से दिलीप सिंह चौहान व सुखेंद्र सिंह चौहान सीधी द्वारा ए टी एम बैंक ट्रांजैक्शन द्वारा पूरी राशि निकाली गई परिवार वालों की जानकारी तब हुई जब उनके बेटी का स्वर्गवास हो गया और उसके कार्यक्रम के लिए कृष्णा कुमार से पैसे मांगे गए तो उन्होंने बताया कि सारे पैसे दिलीप सिंह चौहान व सुखेंद्र सिंह चौहान द्वारा पूरी राशि मेरे खाते से निकाल ली गई परिवार वालों ने थाने में पहुंचकर आवेदन दिया पर कोई सुनवाई न होने के कारण आज रीवा जी साहब को ज्ञापन के माध्यम से पूरी जानकारी दी गई व पीड़ित पक्ष को न्याय दिलाने का निवेदन किया गया ज्ञापन देने में प्रमुख रूप से उपस्थित रहे वेश महासम्मेलन के प्रदेश उपाध्यक्ष मनीष गुप्ता जी नगर संरक्षक सुनील अग्रवाल जी

नगर अध्यक्ष
लव कुश गुप्ता

हृदय रोग विभाग में पेसमेकर इम्प्लांट कर बचायी गई मरीजों की जान

पुष्पांजली टुडे

रीवा। विश्व की सर्वोच्च तकनीक, (एलबीबी पेसिंग) से पेसमेकर इंप्लांट करके सुपरस्पेशलिटी रीवा ने फिर इतिहास रचा। सुपरस्पेशलिटी रीवा के कार्डियोलॉजी विभाग ने हृदय के अत्यंत जटिल प्रोसीजर करके कई इतिहास रचे हैं और अब तक 6 हजार से अधिक लोगों की जान बचाई है। इसी क?ी में डॉ. एस के त्रिपाठी, सह प्राध्यापक कार्डियोलॉजी ने विश्व की नवीनतम तकनीक एलबीबी पेसिंग कर एक ही सप्ताह में दो मरीजों की जान बचाई। अधीक्षक सुपर स्पेशलिटी अस्पताल अक्षय श्रीवास्तव ने बताया कि सामान्यतः जो पेसमेकर मरीजों को लगाए जाते हैं उनमें पेसमेकर लीड हृदय के एक

चेंबर में इंप्लांट की जाती है जिससे भविष्य में हृदय की पंपिंग कम होने का खतरा बना रहता है। एलबीबी पेसिंग तकनीक में पेसमेकर की लीड हृदय के कंडक्शन सिस्टम में फिक्स की जाती है जिससे हृदय बिलकुल सामान्य तरीके से ध?कता है। यही कारण है कि इसमें हृदय की पंपिंग कम होने का खतरा नही होता और जिन मरीजों की पंपिंग पहले से कम है वो समय के साथ इस तकनीक से इंप्रूव भी होती है। तकनीक को सफल बनाने में कैथ लब टेक्नीशियन जय नारायण मिश्र, सत्यम शर्मा, मनीष सुमन और नर्सिंग स्टाफ इंद्रभान मांझी एवं ओ.टी. नर्सिंग इंचार्ज पुष्पेंद्र की अहम भूमिका रही।

मतगणना केन्द्र में मोबाइल फोन तथा शस्त्रों पर रहेगा प्रतिंबध

पुष्पांजली टुडे

रीवा। जिले के सभी आठ विधानसभा क्षेत्रों की मतगणना तीन दिसम्बर को प्रातः 8 बजे से इंजीनियरिंग कालेज रीवा में की जायेगी। मतगणना के लिए क? सुरक्षा प्रबंध किये जा रहे हैं। इस संबंध में निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार मतगणना केन्द्र में केवल मतगणना कर्मचारी, उम्मीदवार तथा उनके अनुमति प्राप्त मतगणना एजेण्ट एवं निर्वाचन आयोग तथा निर्वाचन कार्यालय से जारी प्रवेश पत्रधारी मीडियाकर्मी ही प्रवेश पा सकेंगे। मतगणना केन्द्र में मोबाइल फोन उपयोग पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। मतगणना केन्द्र में किसी भी तरह के विस्फोटक अस्त्र-शस्त्र का भी प्रवेश पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। यदि किसी उम्मीदवार को शस्त्र सुरक्षा प्राप्त है तो केवल उम्मीदवार को ही प्रवेश मिलेगा। उनके सुरक्षाकर्मी को मतदान केन्द्र प्रवेश नहीं मिलेगा। मतगणना केन्द्र में धूम्रपान पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा। मतगणना केन्द्र में आने वाले अधिकारी-कर्मचारी उम्मीदवार तथा उनके मतगणना एजेण्ट अपने प्रवेश पत्र साथ रखें। अपने साथ मोबाइल फोन, धूम्रपान सामग्री तथा किसी तरह का भोजन पदार्थ साथ लेकर न आएं।

मतगणना पूरी सजगता और पारदर्शिता से करें – मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी

पुष्पांजली टुडे

रीवा। कलेक्ट्रेट के एनआईसी केन्द्र में आयोजित वीडियो कान्फ्रेंसिंग में राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने जिला निर्वाचन अधिकारियों को मतगणना के संबंध में निर्देश दिए। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि सभी जिला निर्वाचन अधिकारी तथा रिटर्निंग आफीसर पूरी सजगता और पारदर्शिता से मतगणना कराएं। इस संबंध में आयोग द्वारा दिए गए निर्देशों का कठोरता से पालन करें। सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों ने शांतिपूर्वक मतदान संपन्न कराया। इसके लिए आयोग सभी को बहुत-बहुत बधाई देता है। मतगणना के लिए आवश्यक तैयारियाँ पूरी कर लें। श्री राजन ने कहा कि मतगणना केन्द्र में केवल वैध प्रवेश पत्रधारी व्यक्तियों को ही प्रवेश दें। मतगणना तीन दिसम्बर को प्रातः 8 बजे आरंभ होगी। सभी उम्मीदवारों तथा मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों को इसकी लिखित में सूचना दे दें। सबसे पहले रिटर्निंग आफीसर टेबल में डाक मतपत्रों की गणना शुरू होगी। यदि मुख्य मतगणना कक्ष से अलग कक्ष में डाक मतपत्र की गणना की जानी है तो रिटर्निंग आफीसर डाक मतपत्र की गणना में उपस्थित रहेंगे। ईव्हीएम की गणना में एआरओ उपस्थित रहेंगे। डाक मतपत्रों की गणना में भी उम्मीदवारों के एजेण्ट उपस्थित रहेंगे। स्ट्रांग रूम खोलते तथा बंद करते समय भी उम्मीदवारों के प्रतिनिधि अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे। जहाँ डाक मतपत्र रखें हैं उस स्ट्रांग रूम तथा ईव्हीएम स्ट्रांग रूम खोलने की लिखित सूचना मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों तथा उम्मीदवारों को अनिवार्य रूप से दें। स्ट्रांग रूम की सीसीटीवी से निगरानी की समुचित व्यवस्था करें। किसी कारणवश कैमरा बंद होता है तो उसके संबंध में उम्मीदवारों को पूरी जानकारी दें। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि मतगणना एजेंट बनाते समय पूरी सावधानी बरतें। नगर निगम के महापौर, नगर पंचायत अध्यक्ष, मंत्रीगणों को मतगणना एजेंट नहीं बनाया जा सकता। मंत्री जिस विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार हैं उसमें उम्मीदवार के रूप में गणना कक्ष में जा सकते हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी मतगणना कक्ष तथा परिसर में सुरक्षा के उचित प्रबंध रखें। जिन स्ट्रांग रूम में ईव्हीएम संधारित हैं उनका जिला निर्वाचन अधिकारी तथा रिटर्निंग आफीसर नियमित रूप से निरीक्षण करें। उम्मीदवारों तथा राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि भी यदि स्ट्रांग रूम की निगरानी करना चाहते हैं तो सुरक्षा की दृष्टि से उचित स्थान उनके लिए निर्धारित कर दें। ईव्हीएम, स्ट्रांगरूम अथवा मतगणना के संबंध में किसी भी तरह की शिकायत या अफवाह का तत्काल निराकरण कराएं। मतगणना कक्ष में मोबाइल फोन का उपयोग प्रतिबंधित रहेगा। ऑनलाइन इनकोर इन्ट्री करने के लिए ओटीपी की आवश्यकता होगी। रिटर्निंग आफीसर अथवा उनके द्वारा अधिकृत व्यक्ति का मोबाइल नम्बर भेजकर इसकी अनुमति प्राप्त कर लें। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में रेण्डम रूप से चयनित पाँच मतदान केन्द्रों के व्हीव्हीपैट की गणना करके मतपत्रों से मिलान किया जाएगा। इस संबंध में भी समुचित व्यवस्था करें। कलेक्ट्रेट के एनआईसी केन्द्र से कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ सौरभ सोनवणे, अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह, सहायक कलेक्टर सोनाली देव तथा सभी रिटर्निंग आफीसर उपस्थित रहे।

घटिया सामग्री से बन रही अस्पताल मऊगंज

दैनिक पुष्पांजलि टुडे
पुष्पेंद्र सिंह सेंगर
जिला ब्यूरो चीफ
मऊगंज

प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की देखरेख में मऊगंज जिले में हो रहा निर्माण किसी से छुपा नहीं है कई वर्षो से इस अव्यवस्था के तहत ठेकेदारों की मनमानी व भ्रष्ट व्यवस्था से घटिया सामग्री प्रयोग करके बहुमंजिला इमारत बनाई जा रही है मामला सिविल स्पताल मऊगंज का है जहां दूसरी मंजिल में ठेकेदार द्वारा घटिया सामग्री का प्रयोग करके स्पताल का निर्माण किया जा रहा है ठेकेदार द्वारा ना सिंचाई ना सीमेंट की गुणवत्ता और तो और सीमेंट से बने ईटा जो अत्यंत घटिया किस्म का है कभी भी ठेकेदार व इंजीनियर द्वारा जीवन रक्षक सिविल स्पताल के दूसरे मंजिल में निर्माणाधीन कमरों का निरीक्षण नहीं किया जाता रीवा में बैठे इंजीनियर ठेकेदार की मनमानी और घटिया सामग्री प्रयोग होने में अपनी भी हिस्सेदारी निभा रहे हैं यह बड़े स्तर से जांच का विषय है कभी भी इंजीनियर द्वारा निर्माणाधीन सिविल स्पताल का निरीक्षण नहीं किया जाता

नहीं होता निरीक्षण – सिविल स्पताल मऊगंज के दूसरे मंजिल में अतिरिक्त भवन का निर्माण किया जा रहा है जिसमें बड़े स्तर से घटिया सामग्री प्रयोग की जा रही है सीमेंट से बने ईटा जो बेहद घटिया किस्म का है निर्माणाधीन विल्डिंग में घटिया सामग्री प्रयोग की जा रही और सिंचाई नहीं की जाती सिविल स्पताल मऊगंज के बीएमओ द्वारा ना कभी निरीक्षण किया जाता और ना इस संबंध में कोई शिकायत की जाती ठेकेदार की भ्रष्ट व्यवस्था में मऊगंज बीएमओ भी अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित कर लेते हैं जिसके कारण निर्माण हो रही बिल्डिंग की देखरेख व निरीक्षण नहीं करते

थाना शाहपुर ने भारी मात्रा मै अवैध रूप से शराब की ब्रिक्री करने पर किया जप्त

दैनिक पुष्पांजलि टुडे
पुष्पेंद्र सिंह सेंगर
जिला ब्यूरो चीफ मऊगंज

श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय मऊगंज श्री वीरेन्द्र जैन एवं अति. पुलिस अधीक्षक महोदय मऊगंज मुन्नालाल चौरसिया के निर्देशन एवं श्रीमान एसडीओपी महोदय मऊगंज श्री इन्द्राज सिह के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी शाहपुर उनि. जगदीश सिह ठाकुर के व्दारा हमराह स्टाफ के दिनांक 19.11.23 को जरिये मुखबिर द्वारा सूचना मिली की ग्राम खटखरी मे हाईवे रोड किनारे पशु चिकित्सालय के बगल मे संदेही रहीम बेग पिता खालिक बेग उम्र लगभग 38 साल निवासी खटखरी थाना शाहपुर जिला मऊगंज जो कि लाल कलर का शर्ट पहने है अपने अण्डा की दुकान मे अवैध रूप से भारी मात्रा मे शराब बिक्री हेतु रखा है । मुखविर की सूचना की

तस्दीक हेतु मय हमराह स्टाफ के रवाना होकर संदेही रहीम बेग निवासी खटखरी के अण्डे की दुकान के पास पहुँचा संदेही रहीम बेग पुलिस को देखकर अन्धेरे का फायदा उठाकर भागने मे सफल हो गया । रहीम बेग की अण्डे की दुकान की समक्ष गवाहान के तलाशी लिया जो दुकान की तलाशी के दौरान रहीम बेग की अण्डे की दुकान मे अवैध देशी प्लेन शराब एवं अंग्रेजी शराब खाखी रंग के कार्टून में कुल 08 पेटी में कुल 366 शीशी प्रत्येक शीशी में 180 द्रव्य कुल शराब 65.88 लीटर कुल कीमती 47000/- रुपये का होना पाया गया । मौके पर विधिवत कार्यवाही कर वापसी पर आरोपी रहीम बेग के विरूद्ध अपराध धारा 34(2) आबकारी एक्ट का अपराध कायम कर विवेचना मे लिया गया ।

फरार आरोपी–रहीम बेग पिता खालिक बेग उम्र लगभग 38साल निवासी खटखरी थाना शाहपुर जिला मऊगजं (म.प्र.)

जप्त मशरूका –कुल 366 शीशी प्रत्येक शीशी कुल देशी शराब 65.88 लीटर कुल कीमती 47000/- रुपये।

महत्वपूर्ण भूमिका–उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी उनि जगदीश सिंह ,सउनि.अजय पाण्डेय आर.1123 विवेकानन्द यादव आर.1103 निवास सिंह आर.1048 कुन्जल रावत एसएफ आर.456 प्रमोद कुमार आर.786 राजेन्द्र भदौरिया की सराहनीय भूमिका रही ।

धर्म परिवार के सार्वजनिक दीपोत्सव ने विंध्य में उत्सव धर्मिता की परम्परा को स्थापित किया है –स्वामी हंसदास

रंगोली, नृत्य प्रतियोगिताओं में कलाकारों ने दिया प्रतिभा का परिचय

पुष्पांजली टुडे

रीवा। हिन्दू उत्सव समिति धर्मपरिवार युवा शाखा के तत्वाधान में स्थानीय मानस भवन में आयोजित सार्वजनिक दीपोत्सव-2023 के रजत जयंती वर्ष में आयोजित भव्य कार्यक्रम ने विंध्य में उत्सव धर्मिता की नयी परम्परा को स्थापित करने का महान कार्य किया है जो सदैव विंध्य की पहचान को अक्षुण रखेगा यह उत्साहित उद्गार अ0भा0 संत-साधु समाज ट्रस्ट के राष्टीय महामंत्री स्वामी हंसदास उदासी ने बतौर मुख्य अतिथि की आसंदी से व्यक्त किये। कार्यक्रम अध्यक्ष स्व0 उमा परौहा चैरिटेबिल ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ0 के0के0 परौहा ने उपस्थित जनसमुदाय एवं कलाकारो को दीपावली मिलन पर अपनी शुभकामनाओं को प्रेषित करते हुये कहा कि धर्मपरिवार के इस कार्यक्रम की शुरूआत से उनका जु?ाव रहा है और आज परम्परा बन चुके इस आयोजन को ऊँचाइयों को छूते देखकर वो काफी प्रसन्न है साथ ही भविष्य में और नये कीर्तिमान स्थापित होंगे इस आशा के साथ धर्मपरिवार के सभी पदाधिकारियों को बधाई देते हुये साधुवाद ज्ञापित किया।कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि रेडक्रास चेयरमेन डॉ0 प्रभाकर चतुर्वेदी, मानस मंडल संरक्षक डी0पी0सिंह, प्रसिद्ध शायर रफीक रीवानी बी0के0प्रकाश, पत्रकार मुकुन्द प्रसाद मिश्रा, गया प्रसाद श्रीवास ने भी आयोजन की भूरि-भूरि सराहना की।श्री रामदरबार की आरती के साथ सभी उपस्थित नागरिको कलाकारों ने दीप प्रज्जवलित करके एक-दूसरे को बधाई प्रेषित की। सभी अतिथियों का धर्मपरिवार के युवा अध्यक्ष सुमित मॉजवानी, संरक्षक संजय तिवारी मुन्नू, संयोजक रामकृष्ण अग्रवाल, उपाध्यक्ष राजेश साहू ने माल्यार्पण के साथ स्वागत किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों ने रंगोली कलाकारो की कला का अवलोकन किया। नृत्य प्रतियोगिता में नगर के नामचीन डॉस ग्रुपो के एकल नृत्य में 24 एवं समूह नृत्य में 8 प्रतिभागियों ने अपनी कला के प्रदर्शन से देर रात तक दर्शको को उठने नही दिया। निर्णायक मंडल में प्रसिद्ध कलाकार कृष्णा जैन एवं प्रदीप शुक्ला शामिल रहे। निराला नगर गरीब बस्ती के बच्चो ने भी अपनी प्रस्तुती दी, इसी के साथ सभी प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह एवं मिष्ठान मिनर्वा अस्पताल एवं स्व0 उमा परौहा चैरेटिबल ट्रस्ट के सौजन्य से भेट किया गया। बतौर मुख्य अतिथि पधारे स्वामी हंसदास उदासी के 48वें जन्मदिन को केक काटकर मनाया गया, धर्मपरिवार के आजीवन संरक्षक नारायण डिगवानी की उपस्थिति में उनको शुभकामनाओं के साथ शाल श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट देकर जिस तरह अभिनंदन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ वो यादगार हो गया। इस अवसर पर विशिष्ट लोगो को उनके कृतित्व एवं व्यक्तित्व की सराहना के साथ सम्मानित किया गया जिनमें ज्योतिषी एवं वास्तुविद डॉ0 संदीप शुक्ला, मानस मंडल संरक्षक डी0पी0सिंह, शायर हशमत रीवानी, कवि नागेन्द्र मिश्र मणी, गायक एवं कार्यक्रम संचालक नीलेश श्रीवास्तव, प्रथम गरबा कार्यक्रम के प्रतिभागी जी0एन0ग्रुप के स्वामी स्वरूपदास उदासी, डीसेंट ग्रुप के राजीव वर्मा गुड्डू धर्म परिवार के सबसे पुराने सहयोगी महासचिव सुरेश विश्नोई, उपाध्यक्ष रामसखा यादव, युवा शाखा संयोजक रामकृष्ण अग्रवाल, कलाकार संघ के अध्यक्ष जावेद खान, महिला शाखा संरक्षक श्रीमती संतोषी गुप्ता ने ग्रहण किया। धर्म परिवार को मजबूती प्रदान करने प्रसिद्ध समाज सेविका श्रीमती प्रज्ञा त्रिपाठी को अध्यक्ष बनाये जाने की श्री डिगवानी ने घोषणा की।रंगोली प्रतियोगिता में शामिल 10 प्रतिभागियों में मुस्कान सोंधिया प्रथम, मोनिका सोंधिया द्वितीय, खुशी सोनी तृतीय के साथ बी0के0 ज्योति और बी0के0 पूजा को विशेष पुरस्कार मिला। एकल नृत्य प्रतियोगिता में सचिन साकेत प्रथम नित्या वर्मा, द्वितीय गुंजन, तृतीय खुशी साहू को विशेष पुरस्कार दिया गया। समूह नृत्य प्रतियोगिता में हिमालय डॉस ग्रुप प्रथम ब्रम्हकुमारी शांतिधाम द्वितीय, जय माता दी क्लब तृतीय ब्रम्हकुमारी निराला नगर को विशेष पुरस्कार प्रदान किया गया हर्षोल्लास के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ, आभार प्रदर्शन युवा शाखा अध्यक्ष सुमित मॉजवानी ने किया।

कार्यक्रम अध्यक्ष
सुमित मॉजवानी

लोकायुक्त पुलिस ने ईएंडएम के कार्यपालन यंत्री को 15 हजार की रिश्वत लेते धरा

ग्वालियर। लोकायुक्त पुलिस ग्वालियर ने आज ई एंड एम ग्वालियर के कार्यपालन यंत्री पी के गुप्ता को कलेक्टर भिंड के बंगले पर बिजली कार्य करने के तीन लाख रूपये का बिल पास करने के लिए 15 हजार रूपये की रिश्वत लेते हुये रंगे हाथों पकड लिया है। लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक रामेश्वर सिंह ने बताया कि फरियादी महेंद्र सिंह बैस पुत्र अतर सिंह बैस निवासी ठाकुर मोहल्ला गौस पुरा ग्वालियर ने शिकायत की कि ई एंड एम ग्वालियर के कार्यपालन यंत्री पी के गुप्ता उनसे कलेक्टर भिंड के बंगले पर किये गये बिजली कार्य का बिल तीन लाख पास करने के एवज में 75 हजार रूपये की मांग कर रहे हैं। आज जैसे ही मेला विधुत केंद्र के पास ग्वालियर व्यापार मेला परिसर ग्वालियर पर कार्यपालन यंत्री को 15 हजार रूपये रिश्वत के दिये वैसे ही पास खडी लोकायुक्त की टीम ने उसे रंगे हाथों दबोच लिया। इस कार्यवाही में लोकायुक्त की टीम में डीएसपी राघवेंद्र ऋषीश्वर, इंस्पेक्टर विनोद सिंह कुशवाह, इंस्पेक्टर कवीन्द्र सिंह चौहान, आराधना डेविस एवम अन्य कर्मी मौजूद रहे।

भगत के बस में है भगवान :संत समर तीर्थ जी महाराज

ग्वालियर परमार्थ आश्रम पर चल रही श्रीमद् भागवत कथा के तृतीय दिवस में परम पूज्य संत श्री समर तीर्थ महाराज ने भक्त प्रहलाद एवं ध्रुव का चरित्र का चरित्र मैं बताया की भक्ति की कोई उम्र नहीं होती है भक्त ध्रुव ने 5 वर्ष की अवस्था से भक्ति प्रारंभ की थी जब भक्ति की सच्ची लगन होती है तो भगवान उसे दर्शन देने के लिए जरूर आते हैं भगवान ने छोटे से धृव को 5 वर्ष की अवस्था में ही दर्शन दिए भक्त प्रहलाद पर कई प्रकार के संकट आए पहाड़ों से गिराया नदियों में डुबाया सांपों का विष दिया गया फिर भी भक्त भगवान की भक्ति में लग रहा तो एक दिन भगवान स्वयं नरसिंह के रूप में अवतरित हुए और भक्त की रक्षा की व्यक्ति को जीवन की समस्याओं से घबराना नहीं चाहिए और संसार के कार्य करते हुए भगवान का भजन भक्ति करना चाहिए तो उसे एक दिन भगवान जरूर दर्शन देते हैं आज अक्षय नवमी तिथि के अवसर पर महाराज जी ने आंवल का महत्व बताया आंवला की पूजन से भगवान विष्णु की कृपा होती है आंमले के सेवन से समस्त प्रकार के रोगों का नाश हो जाता है कथा के विश्राम में मदन सोनी ,भरोसी लाल झा , श्रीमती रमाबाई पाल ,सुनील अग्रवाल, अलकेंद्र शर्मा देवेंद्र सिंह बघेल, अमर सिंह दोहरे,एवं मनीष तिवारी के साथ समस्त भक्त जनों ने भागवतभगवान की आरती उसके बाद मनीष कृष्ण शास्त्री जी ने बताया कि कल 22 नवंबर को भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव बहुत धूमधाम से मनाया जाएगा जिसमें मक्खन मिश्री का भोग लगाया जाएगा

कैसे हो पाएगी बोनी, खाद बीज के लिए भटकता किसान, कृषि विभाग कार्यालय में लगा ताला।

दैनिक पुष्पांजलि टुडे
पुष्पेंद्र सिंह सेंगर
जिला ब्यूरो चीफ मऊगंज

मामला कृषि कार्यालय नईगढ़ी का है। जहां आए दिन किसानों द्वारा शिकायत प्राप्त हो रही है। लेकिन जिम्मेदार आला अधिकारी अंजान बने हुए हैं। चुनाव बीता,फिर भी नहीं सुधरी व्यवस्था।खाद, बीज के लिए भटकता अन्नदाता।कृषि कार्यालय नईगढ़ी की निष्क्रियता आई सामने। दोपहर के बाद भी कृषि कार्यालय का नहीं खुला ताला।

फारेस्ट एनओसी के लिए भोपाल से क्लियरेंस जल्द,ग्वालियर की कंपनी करेगी तैयार

ग्वालियर.। देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व अटल बिहारी वाजपेयी की याद में ग्वालियर में प्रस्तावित सबसे भव्य अटल स्मारक को तैयार करने का काम ग्वालियर की कंपनी को मिला है। अटल स्मारक का कंसेप्ट प्लान आचार संहिता से पहले जारी कर दिया गया था जिसके बाद अब ग्वालियर की जिस सुरम्य वन विभाग की सिरोल पहाड़ी पर यह तैयार होगा उसके फारेस्ट क्लियरेंस की कवायद शुरू हो गई है। 300 करोड़ के बजट से यह प्रोजेक्ट तैयार होगा जिसमें अटलजी को जानने के लिए संग्रहालय से लेकर उनसे जुड़ी हर चीज होगी। अत्याधुनिक ढंग से तैयार किए जाने वाले इस स्मारक का लुक पुरानी संसद जैसा दिखेगा। फारेस्ट एनओसी के लिए राज्य स्तर से प्रोसेस शुरू कर दी गई है। खास बात यह कि अटल स्मारक को लेकर अगले माह 25 दिसंबर को भूमिपूजन भी किया जा सकता है,क्योंकि इसी दिन अटलजी का जन्मदिन रहता है।

एनओसी के लिए भोपाल से क्लियरेंस जल्द,ग्वालियर की कंपनी करेगी तैयार-यहां यह बता दें कि पिछली बार हुए विधानसभा उपचुनाव में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ग्वालियर में अटलजी की याद में भव्य अटल स्मारक तैयार किए जाने की घोषणा की थी। इसके बाद स्थल चयन और न्यास गठन में समय लगा और अब जाकर टेंडर की बारी आ पाई। यह 10 एकड़ में तैयार किया जाएगा जिसमें सोविनियर शाप, ई-लाइब्रेरी, कैफेटेरिया, मल्टीपर्पस हाल, सेमिनार हाल, मीटिंग कक्ष, पुस्तकालय और लाइट एंड साउंड शो शामिल रहेगा। ग्रोविवर इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड कंसल्टेंसी कंपनी ने इसका डिजायन तैयार किया है। ग्वालियर की बंसल फर्म को यह टेंडर मिला है, वहीं इस प्रोजेक्ट को लेकर पहले 20 करोड़ रूपए का फंड जारी भी किया जा चुका है।

अब ट्रंक्यूलाइज होंगी नीलगाय,माधव नेशनल पार्क छोंडेंगे,पक्षियों से परेशानी बरकरार

ग्वालियर. । देश के महत्वपूर्ण एयरबेस में शुमार महाराजपुरा एयरबेस पर जिन नीलगायों के कारण परेशानी बनी हुई है, उसमें अब सबसे ज्यादा परेशानी वाले हिस्सों की नीलगायों को ट्रंक्यूलाइज किया जाएगा। इसके बाद इन्हें ग्वालियर से सबसे नजदीकी माधव नेशनल पार्क में छोड़ा जाएगा। अभी तक बोमा तकनीक से पकड़ने की योजना थी लेकिन प्राथमिक तौर पर समस्याएं को दूर करने के लिए पहले शार्ट टर्म कार्यक्रम कुछ नीलगायों को बेहोश करने का बनाया गया है। एयरफोर्स कैंपस में आने वाले सीवरेज के पानी से लेकर आसपास के कचरे के कारण रैप्टर श्रेणी के पक्षियों से एयरफोर्स की उड़ानों में लगातार बाधा आ रही है और पिछले एक साल में घटनाएं भी हुईं। इसको लेकर नगर निगम अगली बैठक से पहले इस समस्या को दूर करेगा। सोमवार को संभागायुक्त,एडीजी,कलेक्टर,नगर निगम

आयुक्त सहित भिंड-मुरैना के अफसरों के साथ एयरफोर्स के उच्च अधिकारियों की बैठक में एयरफोर्स परिसर की समस्याओं को लेकर चर्चा की गई और कार्ययोजना बनाई।बता दें एयरफोर्स स्टेशन में नीलगाय से लेकर शिकारी पक्षियों की परेशानी काफी समय से चली आ रही है। एयरफोर्स स्टेशन अब लगभग आबादी क्षेत्र मे आ गया है जिस कारण सीवरेज के पानी से लेकर कचरे के ढ़ेर की समस्या अभी भी बनी हुई है। एयरफोर्स परिसर में 150 से ज्यादा नीलगाय हैं जो रनवे से लेकर उड़ान क्षेत्र तक में घुस आती हैं और यह भारी भरकम और बड़ी होने के कारण हादसा होने की आशंका बनी रहती है।महाराजपुरा एयरबेस पर बोमा तकनीक से नीलगायों को पकड़ने को लेकर एक्सपर्ट और वेटेरनरी टीम की व्यस्तता खत्म होने का इंतजार किया जा रहा है। एक्सपर्ट की टीम अभी गांधी सागर चीता प्रोजेक्ट में व्यस्त है और उम्मीद है कि दिसंबर के आखिर सप्ताह तक ग्वालियर एयरबेस पर बोमा तकनीक से नीलगायों को पकड़ने का काम शुरू कर दिया जाएगा। इसके लिए वन विभाग लगातार संपर्क में है। यहां से नीलगायों को पकड़ कूनो नेशनल पार्क में छोड़ा जाना प्रस्तावित है।

कचरा-सीवर- नगर निगम करेगा प्रबंधन-एयरफोर्स कैंपस में नालों का भी जुड़ाव है और सीवरेज की गंदगी के कारण मवेशी से लेकर शिकारी पक्षी आ जाते हैं,इसके अलावा आसपास जो सिविल क्षेत्र में कचरा फैला रहता है। नगर निगम ने इसको लेकर पहले भी कार्ययोजना तैयार की है लेकिन मैदानी स्तर पर काम नहीं हो सका। सोमवार को हुई बैठक में नगर निगम के साथ इस मुददे पर काफी चर्चा हुई और अब जल्द इस समस्या को दूर करने का दावा किया गया है।

आज से कुलश्रेष्ठ संभालेंगे आइआइटीटीएम निदेशक का पद

ग्वालियर.। सोमवार को हाईकोर्ट का फैसला आने के बाद मंगलवार को डा संदीप कुलश्रेष्ठ आइआइटीटीएम संस्थान के निदेशक के पद का पदभार ग्रहण करेंगे। इससे पहले प्रभारी डायरेक्टर डा आलोक शर्मा के स्थान पर अब संदीप कुलश्रेष्ठ आइआइटीटीएम के सभी संस्थानों की जिम्मेदारी संभालेंगे। बता दें कि लगभग सात साल के बाद फैसला संदीप कुलश्रेष्ठ के पक्ष में रहा है। इस फैसले में हाईकोर्ट ने आइआइटीटीएम के डायरेक्टर के पद पर उनकी नियुक्ति को सही माना गया है। दरअसल कुलश्रेष्ठ की नियुक्ति पर सवाल खडे करते हुए 2014 में आइआइटीटीएम में तत्कालीन गेस्ट फैकल्टी रहे मनोज प्रताप सिंह यादव ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई । जिसके बाद कोर्ट के आर्डर पर इन्हे पद मुक्त कर दिया गया था। इस फैसले के बाद मामला दोबारा हाईकोर्ट में आया जिसमें डा संदीप कुलश्रेष्ठ ने इस फैसले के खिलाफ अपील की । अंतत- मामले में हाईकोर्ट की युगल पीठ ने फैसला सुनाते हुए डा कुलश्रेष्ठ को दोबारा डायरेक्टर पद पर नियुक्त कर दियाउल्लेखनीय है कि आईआईटीटीएम में डा. कुलश्रेष्ठ की बतौर रीडर 1997 में नियुक्ति हुई थी। 2003 में उन्होंने प्रोफेसर पद के लिए आवेदन किया जिसमें उनका चयन हुआ। 2014 में उन्हें आईआईटीटीएम ग्वालियर का डायरेक्टर बनाया गया। आईआईटीटीएम के देशभर में कई कैंपस हैं जिनका मुख्यालय ग्वालियर है।जब यह मामला विवाद में आया और उनकी नियुक्ति को निरस्त कर दिया गया।

एक अच्छा इंसान बनना अपनी आंतरिक शांति के लिए: रूपा पाई

ग्वालियर7 सिंधिया स्कूल दुर्ग में छठवीं सिंधिया स्कूल लिटरेचर फेस्टिवल का दूसरा दिन था और आज की पहली वक्ता थीं सुश्री रूपा पाई जिन्होंने अपनी पुस्तक ÷द योग सूत्र% के बारे में छात्रों को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि धर्म क्या है? हिंदू धर्म या भारतीय दर्शन की देखभाल क्या है? हम अपने मन को शांत करने के लिए, अपने शरीर को शांत करने के लिए, इसे शांत करने के लिए क्या कर सकते हैं। कैसे योग सूत्र ने हमारे मन को शांत करने और हमें शांति दिलाने में मदद की। एक अच्छा इंसान बनना स्वर्ग में जगह पाने के लिए नहीं, बल्कि अपनी आंतरिक शांति के लिए है।मन को शांत करने का कदम किस प्रकार अपनी कमियों को स्वीकार करने से शुरू होता है, अपने विचारों को सही, गलत, कल्पना और स्मृति में विभाजित करना और सही को छोड़कर बाकी सभी चीजों को बाहर निकालना क्योंकि बाकी अभी कोई मायने नहीं रखता। शांत मन के लिए कदमों में शामिल है-अपने कार्यों, शब्दों और विचारों में अहिंसक होना। इन्हें पूर्ण रूप से प्राप्त करने में व्यक्ति को काफी समय लग जाता है। सभी प्राचीन ग्रंथ हमें बताते हैं कि एक बेहतर इंसान कैसे बनें, एक अच्छा इंसान, उदार, दयालु और धैर्यवान कैसे बनें, लेकिन ये सभी हमारे दिमाग के लिए खुद को बेहतर बनाने के लिए हैं और ये सभी शांति के लिए हमारे दिमाग को शांत और शांत करने के लिए हैं। लेखिका को उप प्राचार्या सुश्री स्मिता चतुर्वेदी द्वारा उन्हें शॉल और श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। इस प्रकार उनके भाषण के साथ सत्र का समापन हुआ। दूसरा सत्र था लेखिका मेघा गुप्ता का जिन्होंने एक दशक से अधिक समय तक भारतीय बच्चों के प्रकाशन में काम किया है। वह ग्रीन लिटरेचर फेस्टिवल में युवा कार्यक्रम की प्रमुख हैं और अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय में नए लेखकों के लिए प्रकृति लेखन पर एक पाठ्यक्रम का संचालन करती हैं। उनके ज्ञानवर्धक सत्र में छात्रों ने स्वतंत्र भारत को नई रोशनी में देखा। सुश्री मेघा गुप्ता ने बताया कि उनकी नई किताब ÷आफ्टर मिडनाइट÷ इस बारे में बात करती है कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत का क्या हुआ। उन्होंने संविधान से लेकर वर्तमान चुनावों तक, ब्रिटिश आक्रमण से लेकर भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रमों और विश्व युद्ध से लेकर शीत युद्ध तक सभी विषयों को छुआ।उनके पास पहले चुनाव, पहले मोबाइल फोन, इंटरनेट की खोज, विकास और प्रदूषण और मिलेनियम बग के अर्थ के बारे में सुनने और यह जानकर आश्चर्यचकित रह गए कि भारत 2018 में ही पूरी तरह से विद्युतीकृत हो गया। उन्हें एहसास हुआ कि जिस दुनिया को वे जानते हैं वह वास्तविक दुनिया से एक इंच भी अलग नहीं है। उनके पास अपने देश के

जानने के लिए उनकी रुचि जगाने वाले सभी विषय थे। लेखिका बच्चों के सामान्य ज्ञान और जिज्ञासा से बहुत प्रभावित हुई । बच्चे बारे में सीखने के लिए बहुत कुछ है। इस सत्र से उन्हें यह समझने और स्वीकार करने में मदद मिली कि एक देश के रूप में हम कितना आगे आ गए हैं और साथ ही यह एहसास भी हुआ कि अभी भी क्या करने की जरूरत है।लेखिका को वाणिज्य विभाग के अध्यापक श्री सुमित चक्रवर्ती द्वारा उन्हें शॉल और श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। इस प्रकार उनके भाषण के साथ सत्र का समापन हुआ।तीसरा सत्र साहित्य अकादमी सम्मान से सम्मानित,बच्चों के लिए 35 से अधिक पुस्तकें लिखने वालीं सुश्री पारो आनंद का था जिसमें उन्होंने अपनी पुस्तकों बीइंग गांधी और द अदर से सभी का दिल जीत लिया! उन्होंने अपनी लेखन शैली के बारे में बात की. उन्होंने खासतौर पर अपनी किताब द अदरके बारे में बात की। दर्शकों के लिए कुछ पेज पूरी नाटकीयता से पढ़ने के बाद उन्होंने पहले ही एक स्पष्ट छाप छोड़ दी थी! उन्होंने इस बारे में बात की कि कैसे हमेशा कोई ऐसा व्यक्ति होता है जो %अन्य% होता है, जो समूह से अलग हो जाता है और जो अपने रूप में पहचाना नहीं जाता है। उन्होंने ज़ोर से और गर्व से बात की कि कैसे लोगों को अपनी मानसिकता बदलने की ज़रूरत है। उन्होंने कहा कि जो द अदर है, यह एक पुरुष है, एक महिला है, यह कोई भी हो सकता है! यह सत्र वास्तव में सबसे प्रेरणादायक सत्रों में से एक था! लेखिका को विज्ञान विभाग के अध्यापिका सुश्री निहारिका कुलश्रेष्ठ द्वारा उन्हें शॉल और श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। इस प्रकार उनके भाषण के साथ सत्र का समापन हुआ चौथा सत्र प्रसिद्ध लेखक व समाज सुधारक श्री एस हरिहरन का था। जिन्होंने -अपनी पुस्तक ÷रनअवे चिल्ड्रन÷ पर अपने विचार व्यक्त किए । उन्होंने बताया कि किस प्रकार वे एक बार रूठ कर घर से भाग गएऔर जब उन्होंने घर से भागने वाले बच्चों की स्थिति देखी तो यह तय किया कि उनकी समस्या को हल करने के लिए कोई न कोई उपाय निकलेंगेऔर फिर उन्होंने सेवा कार्य करने वाले एक गैर सरकारी संस्था की शुरुआत की। इस उपन्यास की कहानी इसी के इर्द गिर्द घूमती है।उन्होंने बताया कि किस प्रकार शरीर को स्वस्थ रखा जा सकता है,स्वास्थ्य सबसे महत्व पूर्ण होता है इसलिए अपना ध्यान रखना बहुत आवश्यक है। लेखक को हिंदी विभाग के अध्यक्ष श्री मनोज मिश्रा द्वारा उन्हें शॉल और श्रीफल देकर सम्मानित किया गया

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478